MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शुक्रवार, 25 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-264

ज्ञानेश इस्तीफ़ा दो!

पूरा विपक्ष राहुल के साथ

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को लेकर सामने आई रिपोर्ट के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार, 25 सितंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों से राज्य चुनाव आयोग कार्यालयों तक विरोध मार्च निकालने को कहा है। राहुल गांधी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा प्रहार करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह देशहित के खिलाफ है। राहुल गांधी ने दावा किया कि उनके पास इस मामले से जुड़ी बहुत सारी जानकारी है और जल्द ही इसके नतीजे सामने आएंगे।

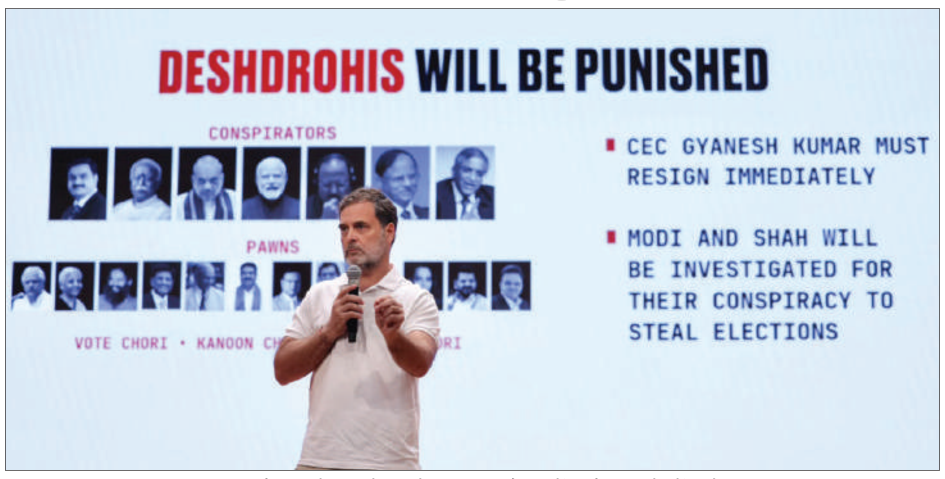

राहुल गांधी ने इस मुद्दे को 'वोट चोरी' और 'कानून चोरी' से जोड़ा। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि दो चुनाव आयुक्तों ने इसके लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को जिम्मेदार माना था। दरअसल, राहुल गांधी की यह टिप्पणी एक अखबार की खोजी रिपोर्ट के एक दिन बाद आई। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पिछले 10 महीनों के दौरान देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान दोनों चुनाव आयुक्तों ने 14 बार आपत्ति जताई थी। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने विभिन्न फैसलों और आदेशों को लेकर आपत्तियां दर्ज की थीं।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा हो : प्रियंका गांधी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने जानबूझकर मतदाता सूची से लगभग 13 करोड़ नाम हटाने की अनुचित अनुमति देकर चुनाव कराया।इन आरोपों पर चुनाव आयोग का पक्ष भी सामने आया है। आयोग ने आंतरिक मतभेदों की खबरों के बीच कहा है कि तीन सदस्यीय आयोग के अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे।

विपक्ष ने किया राहुल का समर्थन

राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने राहुल गांधी के बयानों का समर्थन किया है। राष्ट्रीय जनता दल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और बिहार, बंगाल सहित अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव रद्द करने की मांग को लेकर शुक्रवार को पटना के सभी जिला मुख्यालयों में पुतला दहन का ऐलान किया है।

इस्तीफा दें ज्ञानेश कुमार : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। उनका कहना है कि अब यह साफ हो चुका है कि चुनाव आयोग से बेईमानी हो रही थी। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर भाजपा की कठपुतली बनकर काम करने का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा, हमने मुंह नुचवा सुना था, आज पहली बार चुनाव नुचवा सुन रहे हैं। इन्होंने चुनाव नोच लिया।

देशभर में विरोध प्रदर्शन की तैयारी

शुक्रवार को इस मामले में देश के अलग-अलग राज्यों में विरोध प्रदर्शन होने वाला है। कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों को राज्य चुनाव आयोग कार्यालयों तक विरोध मार्च निकालने का निर्देश दिया है। इसके बाद 28 सितंबर को सभी जिला कांग्रेस समितियों को जिला कलेक्टर कार्यालयों तक इसी तरह के विरोध मार्च निकालने को कहा गया है। मध्यप्रदेश में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ दोपहर 12 बजे से प्रदर्शन होने वाला है।

▶8पर

दानम की सुप्रीम याचिका खारिज

खैरताबाद उप-चुनाव

नई दिल्ली, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने तेलंगाना विधानसभा से अयोग्य ठहराए जाने के तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। यह अयोग्यता संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में दल-बदल के आरोप में की गई थी।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला कानून की सही व्याख्या पर आधारित है और इसमें कोई हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

न्यायमूर्ति बागची ने याचिकाकर्ता का जिक्र करते हुए हल्के अंदाज में टिप्पणी की, आपके पास विधायक के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट था, सांसद बनने के लिए शेयर बाजार की कोशिश की, और अब फिक्स्ड डिपॉजिट भी खो दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि दसवीं अनुसूची में सदस्य द्वारा पार्टी सदस्यता छोड़ने के कृत्य को माफ करने का प्रावधान है। घर वापसी? न्यायमूर्ति बागची ने फिर हल्के अंदाज में टिप्पणी की। रोहतगी ने दसवीं अनुसूची के पैरा 2(1)(बी) का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी सदस्य के कृत्य को माफ कर सकती है। लेकिन पीठ ने स्पष्ट किया कि यह प्रावधान केवल पैरा 2(1)(बी) पर लागू होता है, जो व्हिप के खिलाफ वोटिंग से संबंधित है, न कि पैरा 2(1)(ए) पर, जो पार्टी सदस्यता छोड़ने से संबंधित है।

आपका मामला 'आया राम, गया राम, फिर आया राम' है? न्यायमूर्ति बागची ने कहा।

बीआरएस का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने हालांकि इस बात से इनकार किया कि पार्टी ने दानम नागेंद्र के कृत्य को माफ किया है, और इस बात पर जोर दिया कि अयोग्यता याचिका बीआरएस के सदस्य ने ही दायर की थी।

पीठ ने फिर कहा कि हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है।

हाई कोर्ट ने माना था कि नागेंद्र ने 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़कर दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता अर्जित कर ली, जबकि वे बीआरएस टिकट पर चुने गए बैठे विधायक थे।

▶8पर

चुनाव की तैयारी कर रहा हूं : दानम

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले और अपनी योजनाओं के बारे में समाचार एजेंसियों से बात करते हुए पूर्व खैरताबाद विधायक ने कहा कि वे चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। दानम नागेंद्र ने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं, और खैरताबाद चुनाव की तैयारी कर रहा हूं।मुझे नहीं पता कि कांग्रेस पार्टी मुझे टिकट देगी या नहीं। यह फैसला हाई कमांड का है, लेकिन मैं चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा हूं, उन्होंने आगे कहा। खैरताबाद सीट अब रिक्त होने के साथ चुनाव का मंच तैयार हो गया है।

नागेंद्र ने कहा, मैंने अपने क्षेत्र में बहुत काम पूरे किए हैं, लेकिन कुछ काम अधूरे हैं। मैं उन्हें पूरा करने की पूरी कोशिश करूंगा। मेरी दिलचस्पी केवल विधायक सीट के लिए चुनाव लड़ने में है।

जब मैं कांग्रेस पार्टी में था, तब मैं ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र का अध्यक्ष था। इसी वजह से कांग्रेस पार्टी ने 2024 में मुझे सांसद सीट के लिए चुना। चूंकि यह पार्टी का फैसला था, मैंने मान लिया। अब मुझे पता है कि मुझे सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच परीक्षा देनी होगी।

मोदी मैसेज

योजनाओं पर फोकस करो

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली के सेवा तीर्थ में आयोजित केंद्रीय मंत्रिपरिषद के दो दिवसीय चिंतन शिविर का समापन हो गया है। बैठक के दौरान मंत्रियों को अपने-अपने मंत्रालयों की चुनौतियों और कमियों की पहचान कर उनके समाधान निकालने को कहा गया। प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों से कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पर जोर दिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत लोगों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कोई भी व्यक्ति किसी योजना के लाभ से वंचित न रहे।

जन विश्वास से जन भागीदारी पर फोकस

जानकारी के मुताबिक, चर्चा के दौरान मंत्रियों से कहा गया कि वे अपने-अपने मंत्रालयों में मुख्य चुनौतियों, कमियों और कार्ययोजना के बिंदुओं की पहचान करें। यह चर्चा दो मुख्य विषयों पर केंद्रित रही।स्वयं का विकास और जन विश्वास से जन भागीदारी।बैठक के दौरान मंत्रियों से कहा गया कि वे कल्याणकारी योजनाओं और लोगों के हित में किए जा रहे अन्य विकास कार्यों के बारे में नागरिकों से बेहतर ढंग से जुड़ें।

सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में सरकार की ओर से अपनी योजनाओं और कार्यों की जानकारी प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दूसरे दिन भी मंत्रियों को आठ समूहों में बांटा गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्येक समूह के साथ अलग-अलग बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों से लोगों को कल्याणकारी योजनाओं के ▶8पर

व्हाइट हाउस में बोले जिनपिंग

रेस हो, रेसलिंग नहीं

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात की। एक दशक से अधिक समय बाद वॉशिंगटन पहुंचे शी जिनपिंग का राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने औपचारिक स्वागत किया। दोनों नेताओं ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में अमेरिका-चीन संबंधों को बेहतर बनाने और दोनों देशों के बीच टकराव से बचने पर जोर दिया। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यापार, तकनीक, ताइवान और दोनों देशों की सेनाओं के बीच संवाद जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि जिस तरह अमेरिका और चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मिलकर काम किया था, उसी तरह अब दोनों देश बेहतर भविष्य बनाने के लिए साथ काम कर सकते हैं। उन्होंने शी जिनपिंग के साथ अपने रिश्ते को बेहद अच्छी दोस्ती बताया और कहा कि यह रिश्ता 2016 में उनके पहली बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से बना है।

शी जिनपिंग ने कहा कि वह ट्रंप के निमंत्रण पर अमेरिका आए हैं, ताकि दोनों देशों की दोस्ती को आगे बढ़ाया जा सके, सहयोग बढ़ाया जा सके और दोनों देशों के लोगों की भलाई सुनिश्चित की जा सके।

अमेरिका-चीन में प्रतिस्पर्धा हो, कुश्ती नहीं

शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को शांतिपूर्ण तरीके से साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देश सहयोग से फायदा उठा सकते हैं, जबकि टकराव दोनों के लिए नुकसानदेह होगा। अमेरिका और चीन के बीच प्रतिस्पर्धा को खत्म करने की जरूरत नहीं है, लेकिन यह स्वस्थ होनी चाहिए और इसकी एक सीमा तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच आगे निकलने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए, कुश्ती नहीं। यानी यह एक-दूसरे से आगे निकलने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो, न कि ऐसी कुश्ती जिसमें एक की जीत दूसरे की हार पर निर्भर हो।

चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच संभावित टकराव को लेकर 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' का भी जिक्र किया। यह उस सिद्धांत को कहा जाता है जिसमें किसी उभरती ताकत और मौजूदा बड़ी ताकत के बीच बढ़ता तनाव युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। शी ने कहा कि चीन और अमेरिका को संघर्ष और टकराव से बचने की कोशिश करनी चाहिए और दोनों देश इस स्थिति से निकलने का रास्ता खोज सकते हैं।

उन्होंने दोनों देशों की सेनाओं के बीच नियमित बातचीत बढ़ाने और संकट के समय संवाद के बेहतर इंतजाम करने की भी बात कही। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 21^0

अपने और पत्नी के नाम किये 51 पट्टे

सबहु भूमि पटवारी की!

खंडवा, 24 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में 17 सितंबर से स्वामित्व भू-अधिकार निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 लागू हुई है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण आबादी को निशुल्क रजिस्ट्री और भू-अधिकार दिलाना है। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले से सामने आया एक मामला प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। आरोप है कि जिस पटवारी के कंधों पर ग्रामीणों की जमीन का रिकॉर्ड सहेजने की जिम्मेदारी थी, उसी ने पद का कथित रूप से बेजा इस्तेमाल करते हुए सरकारी चबूतरों, सार्वजनिक बावड़ियों और गरीबों के मकानों के पट्टे अपने और अपनी पत्नी के नाम दर्ज करा लिए। एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 51 पट्टे अपने परिवार के नाम दर्ज कराने का मामला सामने आया है।यह पूरा मामला मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के ग्राम कोलगांव का है। सरकार की महत्वाकांक्षी स्वामित्व योजना के तहत गांव में कुल 935 आवासीय पट्टे जारी किए जाने थे। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि वर्षों से जिस जमीन पर वे रह रहे हैं, उसका मालिकाना हक उन्हें मिलेगा। लेकिन योजना के क्रियान्वयन से पहले ही तत्कालीन पटवारी राजेश मंडलोई पर सरकारी रिकॉर्ड में गड़बड़ी करने के आरोप लगे।

पटवारी के नाम 48 और पत्नी के नाम 3 पट्टे

आरोप है कि पटवारी राजेश मंडलोई ने गांव के रिकॉर्ड में हेरफेर कर अपने नाम 48 और अपनी पत्नी मनीषा मंडलोई के नाम 3 पट्टे दर्ज करा लिए। यानी गांव के कुल पट्टों में से 51 पट्टे अकेले पटवारी के परिवार के नाम दर्ज हो गए। इस पूरे मामले का पर्दाफाश तब हुआ, जब ग्रामीण शुभम तोमर ने इसकी शिकायत की और कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तम पाल सिंह ने दस्तावेजों के साथ पूरे मामले को सामने रखा।

▶8पर

'मक्का' कमांडर

1971 में भारत से हारे पाक अफसर के बेटे

नई दिल्ली, 24 सितंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब के खिलाफ हूतियों के हमलों के बीच मक्का रक्षा समझौते को पहला महासचिव मिल गया है। पाकिस्तान ने सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल नौमान महमूद को मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का पहला महासचिव नियुक्त किया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के अनुसार, नौमान महमूद रियाद में स्थापित किए जा रहे गठबंधन के महासचिवालय का नेतृत्व करेंगे। ▶8पर

अवकाश सूचना

गणेश विसर्जन के अवसर पर **शुक्रवार, 25 सितंबर, 2026** को शुभ लाभ कार्यालय में **अवकाश** रहेगा। अतः अगला अंक **रविवार, 27 सितंबर, 2026** को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

नेपाल : बाढ़ में लापता 4,655 लोग अगर 3 माह तक नहीं मिले तो मृत घोषित करने की तैयारी

काठमांडू

नेपाल सरकार विनाशकारी बाढ़ में लापता लोगों के तीन महीने तक नहीं मिलने पर उन्हें मृत घोषित कर मृत्यु पंजीकरण करने की तैयारी कर रही है। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता और डीआईजी अविनारायण काफ्ले के अनुसार, बाढ़ के बाद अब भी 4,655 लोग लापता हैं। उनकी तलाश जारी है। सरकार ने विपद् संबंधी कुछ नेपाल ऐन को संशोधन करने संबंधी ऐन, 2083 के जरिए इस संबंध में कानूनी व्यवस्था करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। प्रस्तावित कानून तत्काल लागू होने की बात कही गई है। इसके तहत गंभीर प्रकृति की आपदाओं के प्रबंधन के लिए विशेष प्रावधान किए जाएंगे। विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, 2074 में संशोधन कर धारा 33 (क) जोड़ने का प्रस्ताव है। इसमें गंभीर आपदा में मारे गए लोगों के शवों की तलाश, संरक्षण और परिवार को सौंपने की प्रक्रिया निर्धारित करने का प्रावधान होगा।

1,436 शव मिले, 1,292 की पहचान नहीं – 1,436 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से 1,292 शवों की पहचान नहीं हो सकी है और उन्हें दफना दिया गया है। शवों के डीएनए परीक्षण के जरिए पहचान होने पर उन्हें संबंधित परिवारों को सौंपने की व्यवस्था की गई है। पहचान न हो पाने वाले शवों को अलग-अलग बैग में पैक कर उनके विवरण के साथ सुरक्षित रखा गया है। पहचान होने के बाद संबंधित परिजन दफन किए गए शव को ले जा सकेंगे। अब तक 1,286 शवों और 1,997 परिजनों के डीएनए नमूने एकत्र किए गए हैं। डीआईजी काफ्ले के अनुसार, अब तक एकत्र किए गए लगभग आधे नमूनों की रिपोर्ट भी आ चुकी है। सरकार के प्रस्तावित कानून में कहा गया है कि यदि आपदा के बाद तीन महीने तक तलाश के बावजूद कोई व्यक्ति नहीं मिलता है, तो उसे मृत मानते हुए मृत्यु पंजीकरण किया जा सकेगा। लापता लोगों के परिवारों को मिलने वाली राहत के संबंध में भी कानून में स्पष्ट व्यवस्था की जा रही है। तीन महीने बाद उन्हें भी अन्य मृतकों के परिवारों के समान सरकारी राहत उपलब्ध कराने का प्रावधान किया जाएगा। भोटेकोशी क्षेत्र को सरकार ने तीन महीने के लिए आपदा संकटग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। इस अवधि में खोज और बचाव अभियान जारी रहेगा। इसके बाद भी यदि लापता व्यक्ति नहीं मिलता है तो प्रस्तावित व्यवस्था के तहत उसका मृत्यु पंजीकरण किया जा सकेगा। प्रस्तावित संशोधन में राष्ट्रीय परिचयपत्र तथा पञ्जीकरण ऐन में भी बदलाव किया जाएगा। बाढ़ में कुछ परिवारों के सभी सदस्य लापता होने के कारण मृत्यु पंजीकरण की सूचना कौन देगा, इसके लिए नई व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि लापता व्यक्ति का कोई संरक्षक या हकदार नहीं है तो स्थानीय तह के प्रमुख या संबंधित वार्ड अध्यक्ष द्वारा दी गई जानकारी को आधिकारिक माना जाएगा। विदेशी नागरिकों के मामले में नेपाल स्थित या नेपाल के लिए मान्यता प्राप्त संबंधित देश का दूतावास अथवा राजनयिक मिशन सूचना दे सकेगा। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, आपदा के बाद लापता व्यक्ति की तलाश के बावजूद उसके नहीं मिलने पर उसके स्थायी पते या घटना घटित होने वाले स्थानीय तह के पंजीकरण अधिकारी के कार्यालय में मृत्यु पंजीकरण की सूचना दी जा सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ग्रीनलैंड में दो नए सैन्य ठिकाने बनाएगा, आर्कटिक में अमेरिकी का बढ़ेगी मौजूदगी

वाशिंगटन। अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। न्यूयार्क में अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के बीच एक समझौते पर सहमति बनी है, जिसमें ग्रीनलैंड में दो जगहों पर अमेरिकी मिलिट्री बेस स्थापित करने की योजना शामिल है। इस समझौते पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जो आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। इस योजना के तहत दक्षिणी ग्रीनलैंड के नरसार्सुआक में शीत युद्ध के दौर के पुराने अमेरिकी मिलिट्री बेस को दोबारा शुरू किया जा सकता है। यह बेस, जिसे तब ब्लू वेस्ट वन के नाम से जाना जाता था, अमेरिका ने 1950 के दशक में बंद कर दिया था। इसके बाद इस इलाके की आबादी घटकर कुछ दर्जन लोगों तक रह गई थी। वहीं, पूर्वी ग्रीनलैंड के मेस्टर्सविग में एक दूसरा सैन्य ठिकाना बनाया जा सकता है। मेस्टर्सविग में फिलहाल डेनमार्क की स्पेशल फोर्स की सिरियस डाग स्लेज पेट्रोल यूनिट काम करती है। हालांकि, समझौते का पूरा टेक्स्ट अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, और मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, कुछ विवरणों को हस्ताक्षर होने तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सकता है। अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि यह समझौता ग्रीनलैंड और अमेरिका की सुरक्षा को सुरक्षित करने और मजबूत करने में मदद करेगा। डेनमार्क का भी कहना है कि इस समझौते से आर्कटिक की सुरक्षा नाटो के दायरे में आएगी, और यह केवल अमेरिका और डेनमार्क की जिम्मेदारी नहीं रहेगी। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर लंबे समय से जारी कोशिशों के बीच हो रहा है। ट्रंप कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाहिए, और उन्होंने इसे हासिल करने के लिए सैन्य या आर्थिक ताकत के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया था। ट्रंप के इन बयानों के बाद नाटो के भीतर भी कूटनीतिक तनाव बढ़ा था, जिसके बाद डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू की।

नेपाल ने पुनर्निर्माण के लिए जर्मनी से सहयोग मांगा

काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने हाल में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों की पुनर्स्थापना,

पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए जर्मनी से सहयोग मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकासमंत्री रिम अलाबाली राडोवान के साथ द्विपक्षीय साइडलाइन बैठक में मंत्री खनाल ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण के साथ-साथ जलवायु-लचीलेपन, आपदा पूर्व तैयारी और क्षमता विकास में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेशमंत्री खनाल ने नेपाल की विकास प्रक्रिया में जर्मनी की ओर से लंबे समय से दिए जा रहे महत्वपूर्ण सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है। राडोवान ने नेपाल में हाल में आई विनाशकारी आपदा को वैश्विक साझा चुनौती बताते हुए कहा कि जर्मनी नेपाल को वित्तीय और मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरान की पड़ोसी देशों को चेतावनी, अमेरिकी प्रतिबंधों में सहयोग पर मार्ग प्रभावित करने की धमकी

तेहरान। अमेरिका की ओर से ईरानी एयरलाइंस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा के बीच ईरान ने पड़ोसी देशों

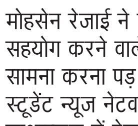

को इन पाबंदियों को लागू करने में सहयोग नहीं करने की चेतावनी दी है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसेन रेजाई ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों में सहयोग करने वाले देशों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। ईरान के अर्ध-सरकारी स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क (एसएनएन) को दिए एक साक्षात्कार में रेजाई ने पड़ोसी देशों से अमेरिकी कदमों में शामिल होने से बचने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी वाणिज्यिक उड़ानों, यात्री सेवाओं और माल ढुलाई पर प्रतिबंध लगाने में सहयोग न करने को कहा। रेजाई के मुताबिक, यदि क्षेत्र के देश ईरान के हवाई परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंधों को लागू करने में सहयोग करते हैं, तो जवाब में उन देशों के हवाई अड्डों और विमानन मार्गों को भी बंद करने या बाधित करने की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने अमेरिका के साथ भविष्य में संभावित बातचीत को लेकर भी सख्त रुख का संकेत दिया। रेजाई ने कहा कि वाशिंगटन के साथ आगे की वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने जैसे मुद्दे ईरान की शर्तों पर निर्भर होंगे।

जलवायु आपदा से उबरने के लिए नेपाल को दीर्घकालीन अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी : विदेशमंत्री शिशिर खनाल

काठमांडू

नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने जलवायुजनित आपदाओं से प्रभावित नेपाल में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए दीर्घकालीन अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर आयोजित जी-7 विकास मंत्रीस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए खनाल ने नेपाल में हाल की जलवायुजनित आपदा की स्थिति का उल्लेख किया और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पीड़ितों के पुनर्वास, जलवायु वित्त, आपदा पूर्व तैयारी, बहुपक्षीय वित्तीय सहयोग और हिमालयी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर जी-7 के सहयोग और साझेदारी का आह्वान किया।

नेपाल का प्रतिनिधितत्व करते हुए खनाल ने जलवायु आपदा की कठिन परिस्थितियों में नेपाल के प्रति एकजुटता और सहयोग के लिए जी-7 सदस्य देशों तथा अन्य मित्र राष्ट्रों के प्रति नेपाल सरकार और नेपाली जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, नेपाल जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, लचीलापन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने में जी-7 के नेतृत्व की उच्च सराहना करता है। उन्होंने बैठक के आयोजन के लिए जी-7 की अध्यक्षता कर रहे फ्रांस को भी धन्यवाद दिया।

पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब डालर से अधिक की जरूरत – मंत्री खनाल ने कहा कि हाल की जलवायुजनित आपदा से नेपाल में मानवीय और भौतिक क्षति बेहद व्यापक हुई है। बाढ़ से घरों, सड़कों, पुलों, स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों और जलविद्युत बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इससे जनजीवन के साथ-साथ आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब अमेरिकी डालर से अधिक की आवश्यकता होगी। आपदा के वैज्ञानिक अध्ययन का काम जारी होने की जानकारी देते हुए खनाल ने कहा कि शुरुआती विवरणों के अनुसार तेजी से गर्म हो रहे हिमालयी वातावरण में बर्फ, चट्टान, पानी और अस्थिर भू-आकृतियों के बीच जटिल अंत:क्रिया के कारण यह आपदा उत्पन्न हुई हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसका विस्तृत अध्ययन अभी जारी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ भूगर्भीय, हिमनदीय और जलविज्ञान संबंधी कारणों का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

जलवायु परिवर्तन अब दूर का खतरा नहीं – खनाल ने कहा, जलवायु परिवर्तन नेपाल के लिए अब दूर का खतरा नहीं है। यह हमारी वर्तमान वास्तविकता है और इसके प्रभाव की तीव्रता तथा आवृत्ति दोनों बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जनधन और आजीविका को नुकसान पहुंचने के साथ लंबे प्रयासों से हासिल विकास की उपलब्धियां भी प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हिमालय, नदियां, समुदाय और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे बाढ़, भूस्खलन, हिमनदीय जोखिम तथा अन्य जलवायुजनित आपदाओं के बढ़ते खतरे का सामना कर रहे हैं।

खनाल ने कहा कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में नेपाल का योगदान बेहद कम है, लेकिन इसके बावजूद देश को जलवायु परिवर्तन के असमान प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नेपाल को और अधिक सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा, नेपाल का वैश्विक उत्सर्जन में योगदान बेहद कम है। लेकिन विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से लेकर हिमनदों के पिघलने तक के जलवायुजनित प्रभावों को हम असमान रूप से झेल रहे हैं।

नेपाल की पांच प्रमुख अपेक्षाएं – पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए नेपाल की पांच प्रमुख अपेक्षाएं सामने रखते हुए खनाल ने सबसे पहले पुनर्वास के लिए साझेदारी की आवश्यकता बताई।

मानवीय सहायता के लिए मित्र देशों से मिले सहयोग और सद्भावना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए अनुदान तथा रियायती वित्तीय संसाधनों सहित समन्वित अंतरराष्ट्रीय प्रयास जरूरी हैं।

दूसरी प्राथमिकता के रूप में उन्होंने जलवायु वित्त तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन से होने वाली हानि और क्षति के लिए वित्तीय सहायता विकासशील और जलवायु जोखिम वाले देशों को तेज, सरल और सहज तरीके से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि नेपाल ने हानि और क्षति कोष से संबंधित वित्तीय व्यवस्था के लिए अनुरोध किया है और अब सकारात्मक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा है।

आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली में निवेश बढ़ाने की अपील – खनाल ने आपदा रोकथाम और पूर्व तैयारी में निवेश बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने पूर्व चेतावनी प्रणाली, जलवायु संबंधी जानकारी, जल एवं मौसम सेवाओं, जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे तथा समुदाय आधारित आपदा पूर्व तैयारी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने जी-7 और अन्य साझेदार देशों से जलवायुजनित आपदाओं की बढ़ती गंभीरता से निपटने के लिए इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की अपील की। उन्होंने बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों के माध्यम से तेजी से, कम लागत पर और आसानी से वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

खनाल ने कहा, समय पर उपलब्ध वित्तीय संसाधन केवल एक वित्तीय साधन नहीं, बल्कि जलवायुजनित झटकों से बार-बार प्रभावित होने वाले जोखिमग्रस्त देशों के लिए जीवनरेखा हैं। उन्होंने जी-7 सदस्य देशों से बहुपक्षीय विकास बैंकों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने में अपने प्रभाव और समन्वय क्षमता का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। हिमालय को वैश्विक जलवायु एजेंडे में प्राथमिकता देने की मांग खनाल ने हिमालयी क्षेत्र को वैश्विक जलवायु एजेंडे में अधिक प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप और ताकाइची ने जापान-अमेरिका गठबंधन की मजबूती को सराहा

न्यूयार्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जापानी पीएम सनाए ताकाइची ने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र एक अहम बैठक में अपने देशों के गठबंधन की अटूट मजबूती और आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर बल दिया। ट्रंप ने इस द्विपक्षीय वार्ता की शुरुआत ताकाइची की जमकर तारीफ करते हुए की, उन्हें अपना दोस्त बताया और कहा कि उन्हें जापान के सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर याद किया जाएगा।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। मैं उनके आंकड़ों पर हमेशा नजर रखता हूं और जापान का उद्योग बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ताकाइची के साथ होना सम्मान की बात है और वह एक बेहतरीन प्रधानमंत्री साबित होंगी। ट्रंप ने ताकाइची के साथ आए जापानी अधिकारियों की भी सराहना की, उन्हें मजबूत और समझदार बताया। ताकाइची ने एक अनुवादक के जरिए ट्रंप का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एशिया सहित वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मौजूदा दौर में ट्रंप ने दोनों देशों की साझेदारी के लिए अत्यंत मजबूत प्रतिबद्धता प्रदान की है। ताकाइची ने कहा कि न्यूयार्क में इस बैठक का मकसद दुनिया को यह एक सशक्त संदेश देना था कि उनका गठबंधन कितना सुदृढ़ है। ताकाइची ने हाल ही में हुए अपने कैबिनेट फेरबदल के बारे में भी ट्रंप को अवगत कराया, जिसमें उनकी सरकार के 18 में से 10 नए मंत्री नियुक्त किए गए थे। हालांकि, उन्होंने रेखांकित किया कि विदेश नीति, वित्त, आर्थिक मामलों और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों के प्रमुख अपने पदों पर बने रहे। ताकाइची ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों की निरंतरता अमेरिका में उनके समकक्षों के साथ सीधे कामकाजी रिश्ते बनाए रखने और वाशिंगटन तथा टोक्यो के बीच नीतिगत तालमेल को आगे बढ़ाने में सहायक होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे दोनों देशों के बीच गठबंधन और मजबूत होगा। पीएम ताकाइची ने आर्थिक सुरक्षा को दोनों देशों के संबंधों का एक और विस्तृत होता दायरा बताया।

दोनों ने बैठक में मजबूत और आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर दिया बल

नेपाल : लैंडिंग के दौरान सीता एयर के विमान का पिछला पहिया निकला, बड़ा हादसा टला

काठमांडू। नेपालगंज से डोल्पा के लिए उड़ान भरने वाले सीता एयर के विमान का डोल्पा एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान पिछला पहिया निकल गया। हालांकि, विमान बड़े हादसे का शिकार होने से बच गया। जिला पुलिस कार्यालय डोल्पा के अनुसार, डोल्पा के जुफाल एयरपोर्ट पर अवतरण के दौरान विमान का पिछला पहिया निकल गया। जिला पुलिस कार्यालय डोल्पा के प्रमुख पुलिस उपरीक्षक अनिल राज गिरी ने बताया कि सीता एयर का 9एन-एजेएच विमान सुबह करीब 8:25 बजे जुफाल एयरपोर्ट पर उतर रहा था, तभी उसका पिछला पहिया निकल गया। गिरी के अनुसार, पहिया निकलने के बावजूद विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया और बड़ा हादसा टल गया।

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के रोहिंग्या मुद्दे पर दुनिया का ध्यान खींचा

न्यूयार्क

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपने देश के रोहिंग्या मुद्दे पर दुनिया का ध्यान खींचा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर रोहिंग्या संकट: लंबे समय तक विस्थापन से न्याय और जवाबदेही के साथ टिकाऊ समाधान के लिए एक नई अपील विषयक सम्मेलन में विचार रखे। उन्होंने पांच सूत्रीय प्रस्ताव रखते हुए रोहिंग्याओं को म्यांमार भेजने का भरोसेमंद रोडमैप बनाने की अपील की।

बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान ने कहा कि अब विस्थापन को खत्म करने की ओर बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि सहानुभूति से असली कारणों और उनके समाधानों की तलाश की जाए। भरोसेमंद कार्रवाई की जाए। प्रधानमंत्री ने यह प्रस्ताव बांग्लादेश में शरण लिए हुए 1.2 मिलियन से ज्यादा रोहिंग्याओं की बुरी हालत पर रोशनी डालते हुए दिया। तारिक विश्व समुदाय से उनकी सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी के लिए हालात बनाने के लिए पक्के इरादे के साथ अपनी जिम्मेदारी उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश नहीं चाहता कि रोहिंग्या हमेशा के लिए बेघर रहें। हम चाहते हैं कि वे म्यांमार में अपने घरों में सुरक्षित, अपनी मर्जी से, सम्मान के साथ और अपने अधिकारों की रक्षा के साथ लौटें। तारिक ने आगे कहा, बांग्लादेश ने इंसानियत के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई है। अगर जरूरी हालात बनते हैं तो बांग्लादेश उनकी वापसी में मदद करने के लिए तैयार रहेगा। इस सम्मेलन का आयोजन बांग्लादेश और गाम्बिया ने संयुक्त रूप से किया। इसमें अलग-अलग देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

उन्होंने म्यांमार में रोहिंग्याओं समेत आम लोगों के खिलाफ हिंसा खत्म करने की मांग की और इस बात पर जोर दिया कि वापसी के लिए भरोसा वापस पाने के लिए उनके अपने देश में उनके बुनियादी अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए। रोहिंग्याओं की लगातार वापसी पक्का करने के लिए न्याय और जवाबदेही जरूरी है, साथ ही उन्होंने इंटरनेशनल कोर्ट आफ

जस्टिस के सामने जवाबदेही तय करने में गाम्बिया की भूमिका की तारीफ की। तारिक ने रोहिंग्या संकट को म्यांमार से शुरू हुआ बताते हुए कहा, यह संकट म्यांमार से शुरू हुआ। इसका हल म्यांमार में है। उन्होंने कहा कि रखाइन राज्य में हालात बहुत चिंताजनक बने हुए हैं। वहां रोहिंग्याओं को गंभीर उल्लंघन और बुरे बर्ताव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, म्यांमार मिलिट्री और अराकान आर्मी दोनों ने गंभीर उल्लंघन किए हैं। ऐसे में, सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी के हालात मुश्किल बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री तारिक ने कहा कि बांग्लादेश नौ साल से ज्यादा समय से रोहिंग्याओं को होस्ट कर रहा है। लगभग 6,000 लर्निंग सेंटर के जरिए म्यांमार के करिकुलम के आधार पर खाना, हेल्थकेयर और शिक्षा दे रहा है। इसके अलावा रोहिंग्या युवाओं को कैपेसिटी-बिल्डिंग और स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग भी दे रहा है। उन्होंने कहा, हालांकि, इंसानी उदारता राजनीतिक निष्क्रियता का बहाना नहीं बन सकती। बांग्लादेश से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह हमेशा यह जिम्मेदारी उठाएगा। रहमान ने चेतावनी दी कि लंबे समय तक विस्थापन से नई सुरक्षा चुनौतियां पैदा हो रही हैं, जिनमें मानव तस्करी, प्रवासियों की तस्करी, ड्रग तस्करी और दूसरे अंतरराष्ट्रीय अपराध शामिल हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की एक ही शर्त, ईरान को शांति समझौता चाहिए तो पहले परमाणु कार्यक्रम छोड़ेः रुबियो

न्यूयार्क

अमेरिका के सेक्रेटरी आफ स्टेट (विदेशमंत्री) मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान से अगर समझौता होता है तो उसे हर हाल में अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति समझौता करने के लिए तैयार हैं। मगर एक शर्त के साथ। वह शर्त है ईरान को परमाणु हथियारों का मोह त्यागना होगा। तब समझौता होगा और ईरान फिर महान देश बन सकेगा। उन्होंने 23 सितंबर को न्यूयार्क के आलीशान पैलेस होटल में खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के ईरान मुद्दे के अलावा अन्य सवालों के सौहार्दपूर्ण माहौल में जवाब दिए। यूएस डिपार्टमेंट आफ स्टेट (विदेश मंत्रालय) की वेबसाइट ने सवाल-जवाब के अलावा संवाददाता सम्मेलन का वीडियो साझा किया है।

संवाददाता सम्मेलन में पहुंचते ही रुबियो ने कहा कि ठीक है, आगे बढ़िए। उनसे पहला सवाल ईरान पर पूछा गया- कल ईरानियों के साथ अमेरिका की क्या मांगें थीं और क्या समझौता (एमओयू) में लौटने पर कोई चर्चा हुई या अमेरिका के लिए शर्तें बदल गई हैं विदेशमंत्री रुबियो ने कहा, देखिए, कल की बातचीत उस प्रक्रिया में शामिल कुछ मध्यस्थों के साथ हुई। मैं इसे किसी एक दिशा में नहीं बताना चाहता। मुझे लगता है कि इसकी समझ बिल्कुल साफ है। याद रखिए, यहां सबसे मुख्य मुद्दा – जिसे राष्ट्रपति ने कल दुनिया के सामने अपने भाषण में जोर देकर कहा – वह यह है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं हो सकते। सब कुछ इसी बात से जुड़ा है।

उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक मुद्दा है। जलडमरूमध्य का दक्षिणी रास्ता खुला है। हर दिन वहां से ज्यादा से ज्यादा तेल के बैरल गुजर रहे हैं। यह रास्ता अमेरिकी सेना की कोशिश की वजह से खुला है। अमेरिकी सेना जहाजों की सुरक्षा भी कर रही है और उसने बारूदी सुरंगें (माइंस) भी हटाई हैं। और यह सिलसिला जारी रहेगा। इस बीच, होर्मुज

जलडमरूमध्य में एकमात्र नाकाबंदी वह है जो हमने ईरान पर लगाई है, क्योंकि तेहरान जहाजों पर लगातार हमले कर रहा है। उसने ऐसा ही किया। अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को खुलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भी मुद्दा है।

रुबियो ने कहा, लेकिन मुख्य मुद्दा यह है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं हो सकते। हम हर बातचीत में यह बात रखते हैं। मैं इन बैठकों के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि अगर ईरान के साथ कोई समझौता होता है तो वह प्रेस कान्फ्रेंस में नहीं होगा। इसमें लंबा समय लगेगा। इस प्रक्रिया में मध्यस्थ भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति ने कहा है कि वे समझौते के लिए तैयार हैं, जिससे ईरान महान और समृद्ध देश बन सके। अगर ईरान न्यूक्लियर हथियार पाने की अपनी इच्छा पर अड़ा रहता है तो यह उसके लिए अच्छा नहीं होगा। ईरान दुनिया में आतंकवाद को सबसे ज्यादा बढ़ावा देने वाला देश है। राष्ट्रपति ट्रंप के पास कई विकल्प हैं। सैन्य विकल्प भी है। उसके बारे में मैं कोई अंदाजा नहीं लगाऊंगा।

अमेरिकी विदेशमंत्री ने क्यूबा के आजादी के सवाल पर कहा, हां वह आजाद होगा। इस पर कई पूरक सवाल पूछे गए। रुबियो ने कहा, क्यूबा की क्रांति – मैं जवाब देना चाहता हूं। क्यूबा की क्रांति नाकाम रही है। सवाल यह है कि अब क्या होगा। मुझे लगता है कि क्यूबा के पास बदलाव करने का मौका है। इसमें राजनीतिक और आर्थिक आजादी दोनों ही शामिल हैं। हम आगे ऐसे कदम उठाने के लिए तैयार हैं जिनसे बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो सके। यह प्रक्रिया आसान नहीं होगी। हमने दुनिया भर में इतिहास में ऐसे बदलाव होते देखे हैं। वे रातों-रात नहीं होते। कोई भी 60 साल से ज्यादा समय से चले आ रहे कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अक्षमता को छह महीने में ठीक नहीं कर सकता।

उनसे यह पूछा गया कि क्या क्यूबा में वेनेजुएला जैसा कुछ हो सकता हैरुबियो ने कहा, अमेरिका पहले है। अगर संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को क्यूबा से कोई खतरा होता है तो राष्ट्रपति के पास उससे निपटने की शक्ति और जिम्मेदारी दोनों होती हैं। मैं इससे आगे कोई अनुमान नहीं लगाऊंगा।

मैं बस इतना कहूंगा कि क्यूबा और उसके नेताओं या जो लोग अभी सरकार चला रहे हैं, उनके पास उस देश को हमेशा के लिए सकारात्मक रूप से बदलने की प्रक्रिया शुरू करने का मौका है। क्यूबा की सरकार में कुछ ऐसे लोग हैं जिनके साथ हम कभी काम नहीं कर सकते ,क्योंकि उनके हाथ खून से सने हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 सितंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 11:08 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 11:23 तक
योग : शूल दोपहर 02:50 तक
करण : गर प्रातः 11:19 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 05:33 तक
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:06 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:01 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : अनंत चतुर्दशी , भद्रा रात्रि 11:08 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मार्गदर्शनी वेलफेयर सोसाइटी में गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मार्गदर्शनी वेलफेयर सोसाइटी, रसूलपुरा, सिकंदराबाद में गणेशोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। रमेश पी. तातेड ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन विधिवत पूजा–अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम, खेलकूद तथा प्रसाद–भोजन की व्यवस्था की गई थी।

उन्होंने बताया कि 11 दिवसीय गणेशोत्सव का आज समापन दिवस है तथा कल भगवान गणेश की प्रतिमा का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान करीब 1000 लोगों के लिए अन्नदान की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर सोसाइटी अध्यक्ष अविनाश भंडारी, मंत्री राजकुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष सहित मार्गदर्शक रामसिंह चौहान, रमेश पी. तातेड एवं दिनेश जैन मंडल, देशरत्न गोयल, रीतेश तातेड, भद्रेश, जिनय, जैन साहब, जसवंत भाई, नागेश एवं सुरेश नेपाली ने भगवान गणेश की पूजा–अर्चना की।

कमलानगर कैलाश में विराजमान गणपति बप्पा की भव्य एवं सुंदर प्रतिमा के साथ श्रीमान विजय व्यास, विजय व्यास, ममता व्यास, पद्मिनी व्यास, खुशी व्यास, मानवी व्यास, तेजस व्यास एवं मनीषा व्यास।

खैरताबाद गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष महेश यादव के साथ राजेश यादव, दुर्गा शर्मा एवं आशा राजपूत द्वारा खैरताबाद गणपति भगवान के दर्शन प्राप्त किए गए। इस अवसर पर सिखवाल समाज की ओर से खैरताबाद गणेश उत्सव समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में रामदेव नागला एवं संदीप जायलवाल उपस्थित रहे।

निजामाबाद में राजस्थानी भवन में मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में पूजा–अर्चना में भाग लेते हुए निजामाबाद विधायक सूर्यनारायण गुप्ता एवं शरचू वी संयोजक सतीश कुमार व्यास, श्याम सुंदर तिवाड़ी, सुनील कुमार मुंडेल और राजस्थानी सेवा समाज संघ के पदाधिकारी मंत्री प्रवीण व्यास कोषाध्यक्ष श्री जुगल जाजू और विभिन्न समितियों के संयोजक–राजेश व्यास, गोपाल डालिया, कैलाश व्यास एवं अन्य।

सुल्तान बाजार स्थित मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति के गणेश मंडप में भव्य गणेश पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंत्री डी. श्रीधर बाबू, मधु यास्की एवं तेलंगाना के सलाहकार हनुमंत राव ने भाग लिया। इस अवसर पर गोविंद नारायण राठी, श्रीनिवास लोया, सुमित राठी, घनश्याम तोषनीवाल एवं नारायण लोया ने अतिथियों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

गोशामहल में भगवान जगन्नाथ के स्वरूप में गणपति बप्पा की भव्य एवं मनमोहक प्रतिमा विराजमान की गई। इस अवसर पर ठाकुर ब्रदर्स सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मदनूर में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय पोषण माह–2026' के सम्मान में आईसीडीएस मदनूर परियोजना के अंतर्गत गणेश पंडाल, मदनूर में आंगनवाड़ी शिक्षकों के तत्वावधान में गणपय्या मंडपमलो पोषण मास उत्सव 2026 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणेश मंडप में भगवान को अर्पित किए गए प्रसाद के अतिरिक्त स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी विभिन्न प्रकार की सब्जियों, बाजरा, हरी सब्जियों एवं फलों से निर्मित 'बज्जी कुरा' को विशेष प्रसाद के रूप में प्रस्तुत किया गया।

आदर्श लाड़ी एसोसिएशन द्वारा वाईएमसी, सिकंदराबाद में स्थापित 51 वर्ष पुराने गणेश भगवान के दर्शन करने एम.एस. कॉन्ट्रैक्टर श्री रोहित देव शर्मा पहुंचे। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मोती आलू एवं नरसिम्हा गौड़ ने उन्हें शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस मौके पर एसोसिएशन के महासचिव पेंटेंस, संजीवा रेड्डी, नर्सिंग राव, बिनय कुमार यादव, श्रीनिवास, शिव कुमार एवं बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे।

यूएस रेजिडेंसी, पैलेस कॉलोनी, बशीरबाग में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की पूजा–अर्चना की गई। पूजा के पश्चात भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ गणपति बप्पा का विसर्जन किया।

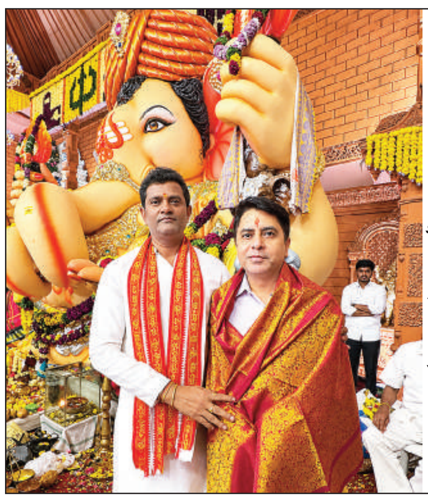

हैदराबाद में सबसे महंगे लड्डू के लिए प्रसिद्ध बालापुर गणेश उत्सव समिति द्वारा पत्रकार एवं कवि सूर्य प्रकाश तिवारी को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समिति के पदाधिकारी श्रीनिवास रेड्डी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कोटी एफवाईसी मंडल में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भगवान श्री गणेश की पूजा–अर्चना की गई। इस अवसर पर साहिल जायसवाल, राधा, देवांश, अंचल, संतोष जायसवाल, सुमन, अनिल, अश्मिता एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूनमचंद मोहनलाल नागला सोडावत परिवार, धाकड़ी वाला, के सीताराम बाग स्थित निवास स्थान पर स्थापित भगवान श्री गणेशजी महाराज के धाकड़ी गणेश पंडाल में परिवार के पुरुष एवं महिलाओं ने विधिवत पूजा–अर्चना कर भगवान गणेशजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सबके प्रयास से आगे बढ़ रही सेवा : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के समीप गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली, बेगम बाजार और केबीआर पार्क में नियमित रूप से की जा रही सेवा सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास, सहयोग और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है। जब सेवा में सहयोग, समर्पण और निस्वार्थ भाव जुड़ जाता है, तो उसका प्रभाव समाज में दूर तक दिखाई देता है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, जयप्रकाश सारडा, कमल मूंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए अन्नदान में सहयोग किया और नियमित रूप से चल रही इस सेवा को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने जीयागुडा डिवीजन में आदिजांबावा वेलफेयर एसोसिएशन परिसर में भगवान कुमार स्वामी के स्वरूप में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा की विशेष पूजा–अर्चना की तथा अन्नदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नव भारत संघम के उपाध्यक्ष के. श्रीकांत, भाजपा नेता जे. लक्ष्मीनारायण, कुमार एवं अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद आदिजांबावा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मधिरा सत्यनारायण को सम्मानित किया।

रवि योग में आज मनाई जायेगी अनंत चतुर्दशी

अनंत चतुर्दशी के साथ ही गणेश उत्सव का समापन हो जाता है। भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि को अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भक विधि-विधान से पूजा करने के बाद बप्पा को विदा करते हैं और पवित्र नदी में उनका विरर्जन किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य **डॉ अनीष व्यास** ने बताया कि गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ दस दिवसीय गणेशोत्सव 25 सितंबर 2026 को अनंत चतुर्दशी के दिन समाप्त होता है। 14 सितंबर को देशभर में भक्तों ने अपने घरों और पूजा पंडालों में भगवान गणेश की स्थापना की।

कई जगहों पर गणपति की प्रतिमाओं का डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन या सात दिन बाद भी विसर्जन किया जाता है, जबकि अधिकांश बड़े पंडालों में गणेश प्रतिमा की विदाई अनंत चतुर्दशी के दिन होती है। इस दिन गणपति बप्पा को श्रद्धा और भावनाओं के साथ विदा किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य **डॉ अनीष व्यास** ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा करने की परंपरा है। अनंत चतुर्दशी के दिन रवि योग का भी निर्माण हो रहा है। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार रवि योग में किए गए शुभ कार्यों का विशेष फल प्राप्त होता है।

अनंत चतुर्दशी

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है-

- भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि आरंभ 24 सितंबर की रात 11:19 मिनट पर
- भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि समाप्त 25 सितंबर की रात 11:07 मिनट पर

उदयातिथि के आधार पर अनंत चतुर्दशी **शुक्रवार 25 सितंबर 2026** को मनाई जाएगी।

रवि योग

आज रवि योग सुबह 6:11 बजे से 11:22 बजे तक रहेगा। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं में इस योग को शुभ मना जाता है। वहीं शूल योग सुबह से दोपहर 2:51 बजे तक रहेगा और इसके बाद गण्ड योग शुरू होगा। शतभिषा नक्षत्र सुबह 11:22 बजे तक रहेगा, फिर पूर्व भाद्रपद नक्षत्र लग जाएगा।

गणेश विसर्जन विधि

भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी तिथि को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। बप्पा को अपने घर से विदा करने से पहले विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इसके लिए मंदिर में एक घी का दीपक जलाएं। भगवान गणेश की प्रतिमा के समीप बैठकर 'ओम गं गणपतये नमः' मंत्र का जप करें। संभव हो तो इस मंत्र का जप 108 बार करना उत्तम माना जाता है। धूप-दीप, फूल, नैवेद्य आदि अर्पित करें। फिर, गणेश चालीसा का पाठ करें और उनकी श्रद्धा पूर्वक आरती करें। भगवान गणेश को अंत में भोग लगाएं और गणेश उत्सव के दौरान हुई कोई भी भूल चूक के लिए क्षमा मांगें। पूजा करने के पश्चात बप्पा को अपने घर के समीप वाली किसी पवित्र नदी में लेजाकर विदा करें।

अनंत चतुर्दशीगणेश विसर्जन मुहूर्त

- लाभ चौघड़िया : सुबह के 7:41 मिनट से लेकर 9:11 मिनट तक
- अमृत चौघड़िया : सुबह के 9:11 मिनट से लेकर 10:42 मिनट तक
- शुभ चौघड़िया : दोपहर के 12:12 मिनट से लेकर 1:43 मिनट तक
- लाभ चौघड़िया : रात कें 9:14 मिनट से लेकर 10: 44 मिनट तक

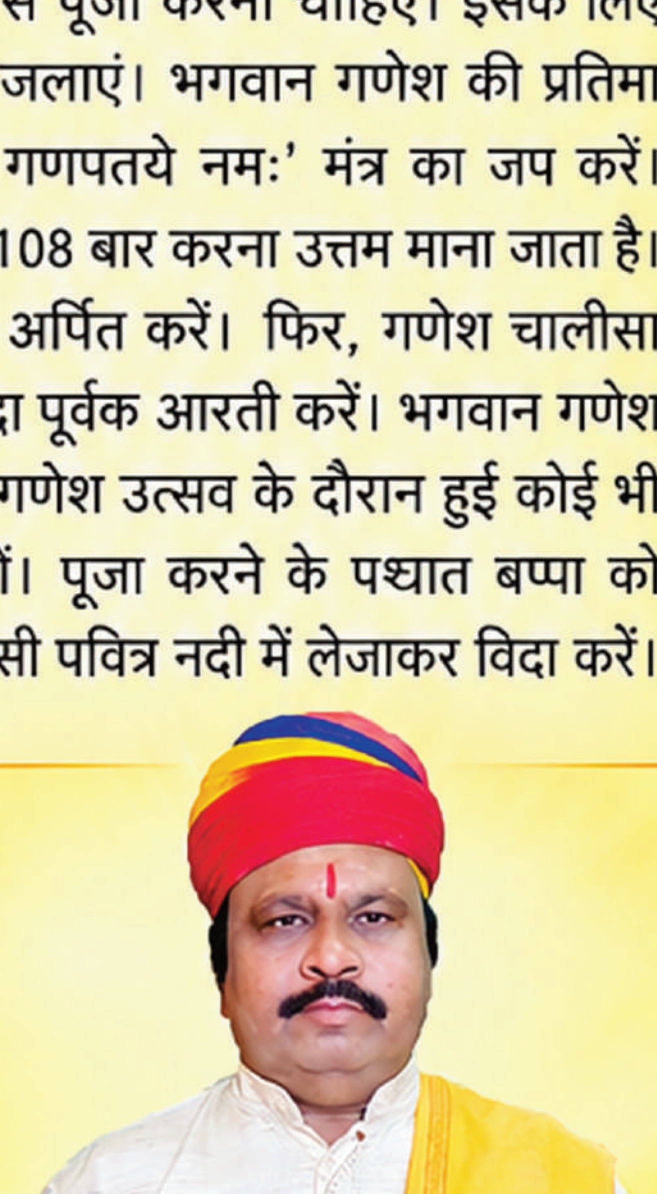

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर - जोधपुर

न्यू रिसर्च

बच्चों की त्वचा की ऐसे करें देखभाल

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

डाइपर रैश: इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

घमौरियों वाले रैश: ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाउडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाउडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाउडर का इस्तेमाल करने से बचें।

सूखी त्वचा

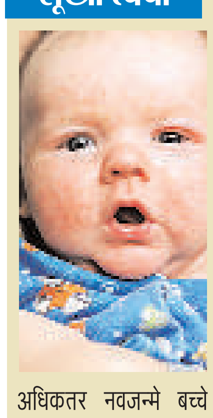

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

कैसे जानें पी रहे हैं शुद्ध पानी

रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। हमारे शरीर के प्रत्येक अंग में पानी ही पानी है, हड्डियों में भी। बिना खाये आप 18 दिन तक जी सकते हैं, लेकिन पानी के बिना आप सात दिन से अधिक नहीं जी सकते हैं। यानी पानी के बिना जीवन की कल्पना करना अतिशयोक्ति होगी। यह शरीर को बीमारियों से बचाता है और इसे स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

चिकित्सक नियमित रूप से 10-12 गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। पानी पीने के साथ सबसे अधिक जरूरी है स्वच्छ और शुद्ध पानी पीना। झरने से निकलते हुए पानी को सबसे अधिक शुद्ध माना जाता है। आरओ या यूवी का पानी साफ माना जाता है लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकता है। क्योंकि इसमें शरीर के लिए जरूरी बैक्टीरिया भी अवशेषित हो जाते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आप जो पानी पी रहे हैं वह शुद्ध है या नहीं।

क्या आरओ है फायदेमंद

रिसर्च सेंटर ने आरओ और पानी को शुद्ध करने वाले विभिन्न उपकरणों की जांच की है। इस दौरान देश के विभिन्न शहरों में आरओ का प्रयोग करने वाले और न करने वाले घरों में बीमार पड़ने वालों का अनुपात 50:50 देखा गया।

पानी को शुद्ध करने वाले उपकरणों में खास तरह की मेंब्रेन काम करती है, जो बुरे के साथ-साथ अच्छे जीवाणुओं को भी अवशोषित कर लेती है। इससे पानी में पाए जाने वाले मिनरल, शरीर में नहीं पहुंच पाते। यही जीवाणु हमें पेट संबंधी बीमारियों से बचाते हैं।

शुद्धता की पहचान

दरअसल अलग-अगल जगहों का पानी का टीडीएस (टोटल डिजाल्व सॉलिड) स्तर अलग-अगल होता है। इसके मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने तैयार किए हैं। उसने 100 से 150 स्तर के टीडीएस को ठीक बताया है। इसलिए अगर आप अपने घर में आरओ (रिवर्स ऑसमोसिस) या यूवी सिस्टम लगवा रहे हैं तो म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन से पानी की जांच करा लीजिए। अगर टीडीएस सामान्य से अधिक हो, तभी आरओ या यूवी लगवाना चाहिए।

बोतलबंद पानी भी नहीं है शुद्ध

अगर आपको लगता है कि आप जो मिनरल वॉटर या सप्लाई किये हुए पानी को पी रहे हैं और वह पूरी तरह से शुद्ध है तो आप गलत हैं, इसमें भी शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु गायर्डिया पाया जाता है। दरअसल पानी को साफ करने वाली कंपनियां नदियों, नालों, भूमिगत स्त्रोतों, आदि जगह से पानी लेकर उसे साफ करने के लिए उसमें कोएगुलेंट केमिकल डालती हैं। यह केमिकल पानी में मौजूद गंदी को पानी के तल पर पहुंचा देता है।

भारत की स्थिति है खराब

शुद्ध और पर्याप्त पानी स्वस्थ जीवन की एक प्रमुख जरूरत है। आंकड़ों की मानें तो भारत में

केवल 30 प्रतिशत लोगों को ही साफ पीने का पानी मिलता है और वो भी पूरी तरह से शुद्ध नहीं होता है। देश के कई हिस्सों में जमीन में पानी का स्तर कम हो जाने के कारण पानी की कमी है। उद्योंगों के कचरे के कारण पानी के बहुत से स्त्रोत प्रदूषित हो रहे है। बहुत सी नदियां गंदी नालियां बन चुकी हैं, और पानी के अन्य स्त्रोत पूरी तरह प्रदूषित हो चुके हैं।

अशुद्ध पानी से होती हैं बीमारियां

आप जो पानी पी रहे हैं वह कीटाणुरहित होना चाहिए। साथ ही उसमें नुकसान पहुंचाने वाले रसायन, गन्ध और स्वाद भी नहीं होना चाहिए। असुरक्षित और अपर्याप्त पीने का पानी कई प्रकार की बीमारियों का कारण बनता है। बारिश के दिनों में पीने का पानी साफ नहीं रहता है, इस मौसम में पानी का विशेष ध्यान रखें। साफ पानी न पीने से हैजा, उल्टी (गेस्ट्रो-एन्ट्राइटिस), टायफाएड, पोलियो, पीलिया, दस्त, त्वचा में संक्रमण हो सकता है।

जानकारी

दूध में गुड़ डालकर पीना है कितना फायदेमंद

दूध और गुड़ दोनों ही शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं, इससे कई बीमारियों का उपचार भी होता है, अगर आपको नींद ना आने की समस्या हो तो सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और गुड़ मिला कर पीना चाहिये। इससे आपकी अनिंद्रा की बीमारी दूर हो जाएगी।गुड़ का सेवन करने से हमारा खून शुद्ध होता है और दूध हमारे शरीर में ऊर्जा बनाएं रखता है। ये हमारे शरीर को रिलैक्स की मुद्र में लाता है।

पाचन को ठीक करे

पाचन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में दूध और गुड़ बहुत लाभकारी होते है। इन दोनो सामग्रियों में मौजूद पोषण पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन ठीक बना रहता है। इसे पीने से हमारी पाचन क्रिया से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इसका सेवन करने से पेट में गैस नहीं बनती।

कैल्शियम से भरपूर

दूध व गुड़ दोनो ही कैल्शियम के भरपूर स्त्रोत माने जाते है इसलिए शरीर को हेल्दी बनाएं रखने के साथ ही हड्डियों की बीमारियों जैसे स्टियोपोरोसिस या उम्र के साथ होने वाले जोड़ों के दर्द आदि को सुरक्षित रखता है। इसलिए हर रोज गुड़ की छोटा सा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाएं और गरम दूध पीएं। ऐसा करने से आपके जोड़ मजबूत होंगे और दर्द भी दूर हो जाएगा।

दूर करे पीरियड का दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से बचने के लिए गरम दूध में गुड़ डालकर कर जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर हमेशा गर्भवती महिलाओं को थकावट और कमजोरी को दूर करने से लिए गुड़ का सेवन करने के सलाह देते हैं। अगर गर्भवती महिला हर रोज गुड़ खाती है तो उन्हें एनीमिया नहीं होता।

वजन घटाने मे सहायक

अगर आप मोटापे के शिकार हैं तो इसे बचने के लिए गुड़ को शक्कर की जगह दूध या चाय में डाल कर पीएं।गुड़ और दूध वेट को कम करने में मदद करते हैं। गुड़ में प्रोटीन के रूप में एनर्जी होता है और दूध दूसरी ओर चर्बी को जलाने में मदद करता है।

आपकी बोतल में होते हैं ढेरों बैक्टीरिया, ऐसे रखें साफ

पानी हम सब की जरूरत है और इसलिए सभी के घर और आफिस में पानी की बोतलें भी होती हैं। सही से देखभाल नहीं करने पर इनमें बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं और कई बार बोतल से अजीब सी गंध भी आने लगती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह की बोतल की सफाई कैसे करें, ताकि वह साफ और स्वच्छ रह सके।

स्टेनलेस स्टील की बोतल

नमी वातावरण में बैक्टीरिया और जर्म्स पनपते हैं, लिहाजा यह कंटेनर बैक्टीरिया का प्रजनन स्थल भी बन सकता है। बाहर से साफ दिखने वाली आपकी बोतल अंदर से काफी गंदी हो सकती है। इसलिए हर दिन के अंत में पानी की बोतल को उपयोग के बाद अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। विनेगर यानी सिरके जैसे किसी स्ट्रांग क्लीनिंग एजेंट से बोतल की सफाई करना बेहतर है।

पूरी तरह से साफ करने के लिए बोतल में सफेद सिरका करीब दो ढक्कन बोतल में डालें। ढक्कन को बंद करने के बाद पानी की बोतल को अच्छी तरह से हिलाएं। बोतल को ब्रश से साफ करें। इसके बाद गर्म पानी से बोतल को धो लें।

कांच की बोतल की सफाई

इसे हाथ से धोने की ही सलाह दी जाती है। सबसे पहले बोतल में गुनगुना पानी डालें और कुछ बूंदे डिश सोप की डालें। इसके बाद बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर साफ करें। बाद में फिर गर्म पानी से धोएं और सूखने के लिए छोड़ दें।

प्लास्टिक की बोतल

प्लास्टिक की पानी की बोतल में सबसे ज्यादा मात्रा में रोगाणु पनपते हैं और इससे अजीब सी गंध भी आती है। इसलिए प्लास्टिक की बोतलों के साथ थोड़ी अतिरिक्त सावधानी रखने की जरूरत है। सबसे पहले बोतल को साबुन और पानी से धो लें, ताकि इससे बदबू दूर हो सके।

यदि फिर भी बदबू नहीं जाती है, तो एक चम्मच ब्लीच और बेकिंग सोडा डालकर इसे पानी से भर दें और रात भर के लिए छोड़ दें। अगले दिन अच्छी तरह से इसे हिलाकर धोएं और सूखने के लिए छोड़ दें।

घर की सिक्योरिटी का इस तरह रखें खास ख्याल

आजकल शहरों में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रहीं है। अक्सर चोरी करने वाले मौका देखते ही घर पर अपना साफ कर लेते है। ऐसे में बहुत जरुरी है कि आप अपने घर की सिक्योरिटी का खास ख्याल रखें। घर सुरक्षित रहेगा तो तो आपका परिवार भी चैन की नींद ले सकता है। आज हम आपको घर को सुरक्षित रखने के कुछ तरीके बताएंगे।

» आजकल मार्किट में नए-नए तरह के लॉक आ गए है जिसे लगा कर आप अपने घर को सुरक्षित रख सकते है। इसके अलावा कभी भी किसी अजनबी को घर के अंदर न लाएं।

» आगे और पीछे के दरवाजों पर सिक्योरिटी लॉक की जगह डेथ बोल्ट लगाएं। यह ज्यादा सुरक्षित होते है। इन्हें आप खिड़कियों पर भी लगवा सकते है। इसके अलावा आप सिक्योरिटी सिस्टम जैसे इमरजेंसी स्मोक, हीट व फायर अलार्म भी लगवा सकते है।

» खिड़की पर हमेशा मोटे परदे लगाएं जिससे कोई भी अंदर न देख सकें लेकिन घर में अंधेरा न होने दें। अक्सर अंधेरे घरों में चोरों की ज्यादा नजर रहती है। सिक्योरिटी के लिए आप घर में कुत्ता भी रख सकते है।

» मेड, नौकर या किसी भी अजनबी के सामने अपनी अलमारी न खोलें। कभी उनके सामने कीमती वस्तुएं या पैसों के लेन-देन के बारे में भी बात न करें। इसके अलावा मेड के रिश्तेदारों को कभी भी अंदर आने की इजाजत न दें।

» अगर आप शहर से बाहर जा रहें को तो मेड या पड़ोसी को बता कर जाएं। जाने से पहले अपने कीमती सामान पर साइन कर दें। इससे चोरी होने के बाद भी आपका सामान मिलने में आसानी रहेगी।

» अगर आपके जाने के बाद बच्चे घर पर अकेले रहते हो तो खिड़की ओर घर के चारों तरफ सुरक्षा के लिए कांटेदार रेलिंग लगवा दें। इसके अलावा घर के किचन में लॉक लगा दें।

» अपने घर की दूसरी चाबी कभी भी किसी को न दें। इसके अलावा घर के आस-पास का ध्यान भी रखें।

सुबह का नाश्ता कब करें

अकसर यह कहा जाता है कि सुबह का नाश्ता दिन का सब से महत्वपूर्ण भोजन है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूरी रात नींद लेने और 12 घंटे या इस से अधिक समय तक बिना भोजन के रहने के बाद जब आप का शरीर पोषण के लिए तरस रहा होता है, तो उस की आपूर्ति सुबह का नाश्ता ही करता है। न्यूट्रिशनिस्ट कहते हैं कि सुबह का नाश्ता आप को जागने के बाद 2 घंटे के अंदर कर लेना चाहिए।

लंबाई बढ़ाने में मददगार ब्रोकली

ब्रोकली लंबाई बढ़ाने में मददगार, एक और महत्वपूर्ण सब्जी है। ब्रोकली शरीर में ग्रोथ हार्मोन को उत्तेजित कर लंबाई बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही यह शरीर के कार्य को सही तरीके से करने में भी मदद करती है। ब्रोकली फाइबर, हेल्दी विटामिन और विटामिन सी और आयरन से भरपूर होती है। इसके अलावा इसमें एंटी-कैंसर गुण के साथ फाइबर भी बहुत अधिक मात्रा में होता है।

रेसिपी

पत्तागोभी पनीर के पराठा

सामग्री

आटा गूंथने के लिए: एक कप आटा, आधा छोटा चम्मच नमक, छोटा चम्मच ऑयल, आवश्यकतानुसार पानी, **भरावन के लिए:** एक छोटा कप बारीक कटी हुई पत्तागोभी, एक छोटा कप पनीर का चूरा, एक बारीक कटी हुई प्याज, एक चम्मच बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया पत्ता, एक छोटा चम्मच भुना हुआ जीरा, आवश्यकतानुसार ऑयल, स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में आटा, नमक, हल्का तेल और पानी डालकर अच्छे से गूंद लें। इसके बाद इसे कुछ देर के लिए ढककर रख दें। अब दूसरे बाउल में पत्तागोभी, पनीर, प्याज, जीरा पाउडर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब पराठा बनाएं। इसके लिए दो लोई लें और इन्हें रोटी की आकार में बेल लें। एक रोटी में भरावन रखें और उसके ऊपर से दूसरी रोटी रख दें और किनारे से मोड़ लें। जिससे कि मिक्चर बाहर न निकले। फिर हल्के हाथ से से बेल लें। जिससे कि वह आपस में चिपक जाएं इसके बाद गैस में तवा रखें और धीमी आंच में गर्म करें। तवा के गर्म होते ही इसपर रोटी डालें। रोटी को पलटकर दूसरे साइड से भी सेंके और फिर तेल लगाकर दोनों साइड से सेंकते हुए पराठे तैयार कर लें। इसे आप गर्मा-गर्म दही या आचार के साथ सर्व करें।

खट्टे बैंगन की सब्जी

सामग्री

5-6 लंबे बैंगन, दो कटे हुए प्याज, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, एक दालचीनी, एक बड़ा चम्मच जीरा, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच कश्मीरी लील मिर्च, एक छोटा चम्मच हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, एक बड़ा चम्मच सोंठ, एक बड़ा चम्मच सौंफ, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक बनाने की विधि।

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें दालचीनी, जीरा, इलायची पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा स पानी डाल दें। जिससे कि मासला जले न। जब यह तेल छोड़ने लगें तो इसमें सोंठ डाल दें और कम से कम 2 मिनट पकाएंष इसके बाद इसमें प्याज और बैंगन डालकर अच्छी करह से फ्राई करके कम से कम 20 मिनट के लिए ढक्कन बंद कर दें। 20 मिनट बाद इसमें टमाटर, सौंफ और थोड़ा सा पानी डालें। अब टमाटर पकने दें। जब टमाटर पक जाए और गाढ़ी सी ग्रेवी तैयार हो जाए। तब आंच बंद कर दें। आपकी कश्मीरी खट्टे बैंगन की सब्जी बनकर तैयार है। इसमें नींबू डालकर गर्मागर्म रोची के साथ सर्व करें।

संपादकीय

आत्महत्याओं के आईआईटी

आईआईटी बॉम्बे के होनहार, मेधावी, प्रतिभाशाली, भावी नवप्रवर्तक या आविष्कारक साहिल वाकोडे ने आत्महत्या कर ली। पंखे से लटक कर जान दे दी। पल भर में ही सपनों और संभावनाओं का संसार समाप्त हो गया। कुछ अरसे के बाद यह त्रासदी भी 'अतीत' हो जाएगी, क्योंकि युवा छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति और पराजित मनःस्थिति एक निरंतर प्रक्रिया है, सिलसिला बन गया है। ऐसी घटनाएं बेहद मर्माहत करती हैं, त्रासद् होती हैं, परिवार बिखर जाता है, उन माता-पिता की स्थिति पर जरा-सा भी चिंतन नहीं किया जाता, जिन्होंने 'आईआईटी औलाद' के लिए संसाधनों का जुगाड़ किया। अब बुजुर्ग होने की उम्र के मुहाने पर वे अचानक 'अकेले' कर दिए गए हैं। ये युवा आत्महत्याएं सभी प्रमुख आईआईटी में हो रही हैं और कोटा जैसे कोचिंग सेंटर के शहरों में हो रही हैं। ऐसा कौन-सा मानसिक दबाव, प्रतिस्पद्र्धा का खौफ, पारिवारिक चिंताएं और सबसे भयावह अकेलापन है, जो जिंदगी से हार कर हमारे प्रतिभाशाली बच्चे 'आत्मघाती' होते जा रहे हैं? आईआईटी में आने के बावजूद उन्हें सिखाना पड़ेगा कि संघर्ष कैसे करना है? सरकार और शीर्ष शैक्षिक संस्थानों ने छात्रों, प्रशासन और प्रोफेसरों के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया था, फिर भी आत्महत्याएं जारी हैं! बेहद चिंतित स्थिति है। 2026 के पहले सात माह के दौरान आईआईटी बॉम्बे में ही 3 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। सबसे अधिक आत्महत्याएं आईआईटी खडग़पुर और मद्रास में की जाती हैं। 2025 में सभी प्रमुख आईआईटी में 15 छात्रों ने आत्महत्याएं कीं और 2021-25 के बीच यह आंकड़ा 65 तक पहुंच गया। 2006-26 के बीच 171 'असामान्य मौतें' दर्ज की गईं। उनमें से 140 आत्महत्याएं आईआईटी छात्रों ने कीं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी संसद में यह रपट और आंकड़े पेश किए हैं कि देश के शीर्षस्थ संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी) में बीते कुछ सालों में आत्महत्याओं के दर्जनों मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि आईआईएम में ऐसी युवा त्रासदियां इक्का-दुक्का ही सामने आई हैं, लेकिन अन्य संस्थानों में आत्महत्या की मनःस्थिति बढ़ती ही जा रही है। व्यवस्थाएं भी जिम्मेदार हैं। करीब 65 फीसदी उच्च शिक्षा संस्थानों में 'मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं' ही उपलब्ध नहीं हैं। मानसिक अवसाद, तनाव को नियंत्रित करने की व्यवस्था ही नहीं है। आत्महत्या करने वाले छात्र साहिल के प्रति सहानुभूति और उसके परिजनों के प्रति संवेदनाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रो. सूर्यनारायण ने उसका जातिवादी उत्पीडऩ किया था और अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहे थे, इस निष्कर्ष तक पहुंचना भी 'अन्यायपूर्ण' और 'पूर्वाग्रही' होगा। ऐसे प्रोफेसर ही नवाचार की पीढ़ी तैयार करते हैं, क्योंकि वे बुनियादी रूप से शिक्षक हैं। हमने अपने छात्र-जीवन में दलित, ओबीसी शिक्षकों के पांव छुए हैं। बेशक जेन-जी की सोच कुछ और होगी! लेकिन शिक्षक-छात्र का रिश्ता 'जातिवादी' नहीं होता। यह भी एक राजनीतिक नेरेटिव है। आईआईटी की औसत कक्षा में 60 फीसदी से अधिक छात्र अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के होते हैं। उन छात्रों के अपने समूह होते हैं, लिहाजा कोई भी प्रोफेसर अथवा सवर्ण छात्र, सहजता से, उन्हें जातीय आधार पर शोषित या अलग-थलग नहीं कर सकता। इस दुष्प्रचार से बचना चाहिए। आईआईटी के स्तर पर प्रोफेसर-छात्र के संबंध 'दोस्ताना' भी होने लगते हैं, क्योंकि छात्रों में से ही कुछ जूनियर प्रोफेसर बनकर संस्थान में आ सकते हैं। हालांकि पुलिस ने आरोपित प्रोफेसर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, बाध्य करने और एससी/एसटी कानून की धाराओं में केस दर्ज किया है, लिहाजा जांच की प्रतीक्षा करनी चाहिए। बेशक मृतक छात्र के माता-पिता का गुस्सा, आक्रोश समझा जा सकता है, लिहाजा उनके आरोप स्वाभाविक हो सकते हैं, लेकिन प्रोफेसर को बिना किसी साक्ष्य अथवा जांच के 'खलनायक' करार देना भी न्यायिक नहीं है। आईआईटी बॉम्बे में करीब 14,000 छात्र हैं। उसके अधिकतर छात्र और प्रोफेसर 'आरोपित शिक्षक' के समर्थन में हैं। अन्य आईआईटी ने भी उनका समर्थन किया है। महज इन आधारों पर किसी भी निश्चित निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता। आईआईटी में 56 फीसदी से अधिक फैकल्टी प्रोफेसर 'अगड़े' हैं, जबकि 7 फीसदी से कुछ अधिक दलित प्रोफेसर हैं और जनजातीय प्रोफेसर तो 2 फीसदी से भी कम हैं। इस समीकरण के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था दोषी है और व्यवस्था ही बुनियादी जवाबदेह है। क्या इस 'असमानता' को खंडित किया जाएगा।

पंखे से लटक कर जान दे दी। पल भर में ही सपनों और संभावनाओं का संसार समाप्त हो गया। कुछ अरसे के बाद यह त्रासदी भी 'अतीत' हो जाएगी, क्योंकि युवा छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति और पराजित मन :स्थिति एक निरंतर प्रक्रिया है, सिलसिला बन गया है। ऐसी घटनाएं बेहद मर्माहत करती हैं, त्रासद् होती हैं, परिवार बिखर जाता है, उन माता-पिता की स्थिति पर जरा-सा भी चिंतन नहीं किया जाता, जिन्होंने 'आईआईटी औलाद' के लिए संसाधनों का जुगाड़ किया। अब बुजुर्ग होने की उम्र के मुहाने पर वे अचानक 'अकेले' कर दिए गए हैं। ये युवा आत्महत्याएं सभी प्रमुख आईआईटी में हो रही हैं और कोटा जैसे कोचिंग सेंटर के शहरों में हो रही हैं। ऐसा कौन-सा मानसिक दबाव, प्रतिस्पद्र्धा का खौफ, पारिवारिक चिंताएं और सबसे भयावह अकेलापन है, जो जिंदगी से हार कर हमारे प्रतिभाशाली बच्चे 'आत्मघाती' होते जा रहे हैं? आईआईटी में आने के बावजूद उन्हें सिखाना पड़ेगा कि संघर्ष कैसे करना है? सरकार और शीर्ष शैक्षिक संस्थानों ने छात्रों, प्रशासन और प्रोफेसरों के लिए कुछ दिशा-निर्देश तय किए थे, उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया था, फिर भी आत्महत्याएं जारी हैं! बेहद चिंतित स्थिति है। 2026 के पहले सात माह के दौरान आईआईटी बॉम्बे में ही 3 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं।

कुछ अलग

हिमाचल की सेहत

हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों और बिखरी हुई आबादी के लिए जाना जाता है। यही भौगोलिक परिस्थितियां प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने अनेक गंभीर चुनौतियां भी खड़ी करती हैं। प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी से छोटी स्वास्थ्य समस्या के लिए भी कई किलोमीटर की कठिन यात्रा करनी पड़ती है। अनेक गांव ऐसे हैं जहां से बड़े अस्पतालों तक पहुंचने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में सरकारी स्वास्थ्य संस्थान आम जनता के लिए केवल उपचार का स्थान नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिमाचल प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंतन और व्यापक मंथन किया जाए तथा यह देखा जाए कि आम नागरिक को वास्तव में किस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (अंत्योदय दिवस) पर विशेष

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है

या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है? 2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा।

2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7 .8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था।

देश दुनिया से

पारंपरिक चिकित्सा पर शोध बढ़ाएगा डब्ल्यूएचओ, आयुर्वेद को मिलेगी संजीवनी

अब पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग कर इलाज को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक ऐसी पहल की है जिसका लाभ दुनियाभर के करोड़ों लोगों को मिल सकेगा। भारत के लिए यह इस मायने में खास मानी जा सकती है क्योंकि यहां आज भी लोग इलाज पर ना बराबर पैसा खर्च करते हैं और बीमारियों का इलाज आधुनिक चिकित्सा पद्धति से कराने के बजाए पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से इलाज कराना पसंद करते हैं। दरअसल दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करने वाले अरबों लोगों के बावजूद स्वास्थ्य शोध बजट का एक प्रतिशत से भी कम हिस्सा मिलता है। इस सबको ध्यान में रखते हुए (डब्ल्यूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा पर वैज्ञानिक शोध बढ़ाने और सुरक्षित इलाज सुनिश्चित करने के लिए 2025 से 2034 तक की वैश्विक योजना जारी की। शोध में लकवा, मानसिक स्वास्थ्य, कैंसर, दर्द, हड्डियों की बीमारियों और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा की सुरक्षा, प्रभाव और उपयोगिता को समझना तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में स्वास्थ्य शोध पर खर्च होने वाली कुल राशि का एक प्रतिशत से भी कम हिस्सा पारंपरिक चिकित्सा को समझने के लिए दिया जाता है। शोधकर्ताओं की संख्या भी बहुत कम है। योजना में कई ऐसी बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं को प्राथमिकता दी गई है जिनका असर बड़ी संख्या में लोगों पर पड़ता है। इनमें लकवा, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, दर्द, हड्डियों और

मांसपेशियों से जुड़ी बीमारियां, कैंसर संबंधी रोग और प्रजनन स्वास्थ्य शामिल हैं। इसके साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और बीमारी से बचाव के उपायों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। शोध के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास होगा कि पारंपरिक चिकित्सा इन समस्याओं की रोकथाम, उपचार और बीमारी के बाद स्वास्थ्य सुधारने में कहां उपयोगी हो सकती है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पारंपरिक चिकित्सा के बारे में वैज्ञानिक प्रमाण जुटाना जरूरी है। इससे सरकारों को यह तय करने में मदद मिलेगी कि किन उपचारों को स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जा सकता है और किन तरीकों से मरीजों को नुकसान हो सकता है। शोध में वास्तविक जीवन से मिलने वाले स्वास्थ्य आंकड़ों, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नए वैज्ञानिक तरीकों का भी उपयोग किया जाएगा। इससे पारंपरिक चिकित्सा के अलग.अलग पहलुओं को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिल सकती है। योजना में आदिवासी समुदायों और पारंपरिक ज्ञान रखने वाले लोगों की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया है।

परंपरा, प्रमाण और वैश्विक स्वास्थ्य तक आयुर्वेद की पहुंच

भारत में बहुसंख्यक आबादी वैकल्पिक चिकित्सा के तौर पर आयुर्वेद को सदियों से अपनाती रही है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा एक रिलीज में कहा गया है कि बढ़ती आयुष अर्थव्यवस्था, घरेलू स्तर पर बढ़ती स्वीकार्यता, चिकित्सा मूल्य यात्रा और अनुसंधान आयुर्वेद के वैश्विक विस्तार के नए अवसर खोल रहे हैं। आयुर्वेद वैश्विक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में हाशिए से निकलकर अब मुख्यधारा की ओर बढ़ रहा है। भारत की विस्तारित आयुष अर्थव्यवस्था पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के घरेलू स्तर पर बढ़ते उपयोग तथा वेलनेस और चिकित्सा मूल्य यात्रा में बढ़ती रुचि आयुर्वेद के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। आयुष बाजार वर्ष 2014 में 2.85 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 में 43.4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जबकि इसी अवधि में आयुष निर्यात 1.09 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।स्वास्थ्य प्रतिष्ठान व चिकित्सा अनुसंधान सरकार की पहलों में एमएसएमई और स्टार्टअप को सशक्त बनाने पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया है जिससे इस क्षेत्र में उद्यमिता, नवाचार और निवेश के लिए एक व्यापक इकोसिस्टम विकसित करने में मदद मिली है। आयुष पद्धतियों की घरेलू स्तर पर बढ़ती स्वीकार्यता इस विस्तार के लिए एक और महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा जुलाई 2022 से जून 2023 के दौरान आयुष पर किए गए पहले विशेष अखिल भारतीय सर्वेक्षण में 1,81, 298 परिवारों को शामिल किया गया जिनमें 1,04,195 ग्रामीण और 77,103 शहरी परिवार थे। सर्वेक्षण में ग्रामीण क्षेत्रों में 94.8 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 96 प्रतिशत आयुष जागरूकता दर्ज की गई। इसमें यह भी पाया गया कि पिछले 365 दिनों के दौरान 46.3 प्रतिशत ग्रामीण निवासियों और 52.9 प्रतिशत शहरी निवासियों ने उपचार या रोकथाम के लिए आयुष का उपयोग किया था। उपचार के लिए आयुर्वेद सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली आयुष पद्धति के रूप में उभरा जो इसके मजबूत घरेलू आधार तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल और वेलनेस में इसके योगदान की संभावनाओं को दर्शाता है।

आप का नज़रिया

यूएन रुकवा सकेगा युद्ध?

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों की बैठकें आरंभ हो रही हैं। युद्ध, शांति, स्थिरता महासभा के बुनियादी एजेंडे में शामिल हैं। हालांकि युद्ध तभी शांत और समाप्त हो सकते हैं, जब युद्धरत देशों में संवाद और समझौता हो सके। फिलहाल ऐसे आसार न तो रूस-यूक्रेन युद्ध और न ही ईरान युद्ध में दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की महत्ता, उसके आह्वान, उसकी मध्यस्थता और सामूहिक प्रासंगिकता खंडित, क्षीण हो चुके हैं, लिहाजा युद्ध भडक़ रहे हैं। आम आदमी मर रहा है या विस्थापन को विवश है अथवा भुखमरी-शरण का शिकार है। महासभा के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेन के आपातकालीन राष्ट्रपति जेलेंस्की के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातें और संवाद 'व्हाइट हाउस' में होने हैं। जेलेंस्की को युद्ध रोकने को ट्रंप बाध्य कर पाएंगे, इसके प्रथमदृष्ट्या आसार नहीं हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की को फोन पर भी अपील की थी कि रूस के तेल ठिकानों, ऊर्जा-संयंत्रों, रिफाइनरियों पर हमले न किए जाएं। उससे वैश्विक संकट गहराता जाएगा। जेलेंस्की नहीं माने और एक साथ 1600 से अधिक ड्रोन दाग कर मॉस्को और आसपास के ऊर्जा-ठिकानों पर ही हमले कराए। यूक्रेन का रूस पर यह सबसे बड़ा और विनाशक हमला था। हालांकि रूस का दावा है कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने 1110 ड्रोन हवा में ही मार गिराए, लेकिन 450 से अधिक ड्रोनों के हमले विध्वंसकारी, भस्मकारी, विनाशक साबित हुए। रूस का करीब 40 फीसदी रिफाइनिंग सिस्टम नष्ट हो चुका है। भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह 'बेतुका युद्ध' रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध 'बेतुका' है, तो ईरान में कौन-सा युद्ध जारी है? उस युद्ध को किसने जबरन थोपा था? राष्ट्रपति ट्रंप शेष विश्व को 'मूर्ख' और 'अज्ञानी' न समझें। खौफनाक आंकड़े ये हैं कि साढ़े 4 साल से जारी युद्ध में रूस के करीब 3-4.5 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। कुछ रपटों में हताहत और घायल सैनिकों की संख्या 10 लाख से अधिक बताई गई है। यह 'मानवीय संहार' की स्थिति है। स्वतंत्र और पश्चिमी संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन के 1-1.5 लाख सैनिक मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की अक्सर ये आंकड़े करीब 46,000 से 55,000 के बीच मानते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्च आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, फरवरी, 2022 से जुलाई, 2026 तक यूक्रेन में कमोबेश 16,874 आम नागरिक मारे गए और 51,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से हताहत सैनिकों और नागरिकों तथा विस्थापित लोगों के डाटा कभी नहीं दिए हैं, लिहाजा विभिन्न संस्थाओं के अनुमान ही मान्य हैं। सबसे खौफनाक, विनाशक, तबाही-बर्बादी के नतीजतन आने वाली सर्दियों में यूरोप और यूक्रेन किस कदर कांपते-ठिठुरते रहेंगे, इसका मानवीय अंदाजा ही लगाया जा सकता है, क्योंकि एक तरफ रूस और दूसरी तरफ सऊदी अरब की पाइपलाइन फिलहाल खंडित अवस्था में हैं और गैस आपूर्ति करने में असहाय, असमर्थ हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों, स्टील और ऊर्जा के संयंत्रों में 70-90 फीसदी तक की तबाही बताई जा रही है। रूस के अत्यंत विनाशकारी, विध्वंसकारी हमले जारी हैं। दोनों देशों ने मिसाइल-ड्रोन हमले कर सैन्य गोदाम, कैंप, सप्लाई के भंडार, हथियार डिपो, लॉजिस्टिक सेंटर, मॉल और तेल-गैस ठिकानों पर ऐसे हमले किए हैं कि वजूद ही खत्म कर रहे हैं। न जाने इन देशों के पुनर्निर्माण कैसे संभव होंगे? राष्ट्रपति जेलेंस्की किसी खंडहर देश के नेता साबित होना चाहते हैं क्या? रूस सबसे विशालकाय देश है। वहां स्टेट ड्यूमा (लोकसभा के समान) के चुनावों में राष्ट्रपति पुतिन की पार्टी 'यूनाइटेड रशिया' को करीब 58 फीसदी वोट मिले हैं और उन्होंने 355 सीटें जीत कर फिर बहुमत हासिल किया है।

भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह 'बेतुका युद्ध' रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध 'बेतुका' है, तो ईरान में कौन-सा युद्ध जारी है? उस युद्ध को किसने जबरन थोपा था? राष्ट्रपति ट्रंप शेष विश्व को 'मूर्ख' और 'अज्ञानी' न समझें। खौफनाक आंकड़े ये हैं कि साढ़े 4 साल से जारी युद्ध में रूस के करीब 3-4 .5 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। कुछ रपटों में हताहत और घायल सैनिकों की संख्या 10 लाख से अधिक बताई गई है। यह 'मानवीय संहार' की स्थिति है। स्वतंत्र और पश्चिमी संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन के 1-1.5 लाख सैनिक मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की अक्सर ये आंकड़े करीब 46,000 से 55,000 के बीच मानते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्च आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, फरवरी, 2022 से जुलाई, 2026 तक यूक्रेन में कमोबेश 16,874 आम नागरिक मारे गए और 51,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से हताहत सैनिकों और नागरिकों तथा विस्थापित लोगों के डाटा कभी नहीं दिए हैं, लिहाजा विभिन्न संस्थाओं के अनुमान ही मान्य हैं।

दृष्टि कोण

नई दिल्ली से बदली ब्रिक्स की वैश्विक दिशा

नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर 2026 को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बदलती विश्व व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण तस्वीर को सामने रखा है। कभी ब्राजील, रूस, भारत और चीन की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रयुक्त 'ब्रिक' शब्द से शुरू हुआ यह समूह दक्षिण अफ्रीका के जुडऩे के बाद ब्रिक्स बना और अब 11 पूर्ण सदस्य देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और सऊदी अरब तक विस्तार पा चुका है। आधिकारिक विवरण के अनुसार ये देश मिलकर विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, करीब 40 प्रतिशत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और लगभग 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस विस्तार ने ब्रिक्स को केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मंच से आगे बढ़ाकर वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत की 2026 की अध्यक्षता ऐसे समय में हुई जब विश्व अर्थव्यवस्था व्यापारिक तनाव, युद्धों, ऊर्जा असुरक्षा, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, जलवायु संकट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों से पैदा हो रही चुनौतियों के बीच परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। भारत ने अपनी अध्यक्षता की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' के माध्यम से ब्रिक्स को किसी एक देश अथवा गुट के विरोध के मंच के बजाय साझा हितों पर सहयोग का बहुपक्षीय मंच बनाने पर जोर दिया। 12 सितंबर को स्वीकार किया गया 140 अनुच्छेदों वाला

'नई दिल्ली घोषणापत्र' इसी दृष्टिकोण का दस्तावेज है। इसमें वैश्विक शासन, व्यापार, आतंकवाद, संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और परमाणु सुरक्षा जैसे अनेक विषयों पर सदस्य देशों की साझा चिंताओं और प्रतिबद्धताओं को दर्ज किया गया है। नई दिल्ली घोषणापत्र का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों की वर्तमान आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व की मांग उठाई गई है। आतंकवाद के मुद्दे पर भी घोषणापत्र ने स्पष्ट रुख अपनाया। इसमें अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता, आतंकवादी सुरक्षित ठिकानों के विरुद्ध कार्रवाई और आतंकवादियों तथा उनके समर्थकों की जवाबदेही पर जोर दिया गया। घोषणापत्र ने एकतरफा शुल्क और व्यापारिक प्रतिबंधों के प्रति चिंता व्यक्त की तथा अधिक खुली, निष्पक्ष और पूर्वानुमेय व्यापार व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि ब्रिक्स की कोई साझा मुद्रा बनाने का निर्णय नहीं हुआ है। इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, सीमा पार भुगतान प्रणालियों और वित्तीय सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य तत्काल किसी नई वैश्विक मुद्रा व्यवस्था का निर्माण करना नहीं, बल्कि सदस्य देशों के बीच व्यापारिक लेन-देन को अधिक सुविधाजनक और लचीला बनाना है। न्यू डेवलपमेंट बैंक के माध्यम से स्थानीय मुद्रा में वित्तपोषण और बुनियादी ढांचा निवेश बढ़ाने की संभावना भी इस आर्थिक सहयोग को व्यावहारिक आधार दे सकती है। भारत के लिए ब्रिक्स का आर्थिक महत्व इसलिए भी बढ़ता है क्योंकि 11 सदस्य देशों का बाजार भारतीय दवा, कृषि, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। किंतु केवल विशाल बाजार व्यापारिक लाभ की गारंटी नहीं देता।

एशियन गेम्स में भारत का शानदार प्रदर्शन, 5वें दिन मिले पांच पदक

4X400 मीटर मिश्रित रिले में रजत, 10 हजार मीटर में सीमा ने कांस्य जीता; भारत के कुल पदक 17 हुए

एशियन गेम्स में भारत ने एथलेटिक्स की 4X400 मीटर मिश्रित रिले में रजत पदक जीता। मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और वित्या रामराज की टीम ने 3 मिनट 14.46 सेकेंड में दौड़ पूरी की।

इससे पहले सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10 हजार मीटर दौड़ में 32 मिनट 50.05 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में यह 2010 के बाद एशियन गेम्स में भारत का पहला पदक है।

पांचवें दिन भारत ने कुल पांच पदक जीते। इनमें दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 17 हो गई है। इनमें एक स्वर्ण, सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल हैं। चीन 127 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है।

शूटिंग और नौकायन में भी भारत को पदक

अनंतजीत सिंह नारूका और परिनाज धालीवाल ने मिश्रित स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। दोनों 48 निशानों के बाद 44 अंक पर थे और बराबरी के बाद हुए टाई-ब्रेकर में कांस्य पदक हासिल किया।

सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुषों की युगल स्कल्स स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने 6 मिनट 13.25 सेकेंड का समय निकाला। इस स्पर्धा में यह एशियन गेम्स में भारत का पहला पदक है।

रोशिबिना देवी को लगातार दूसरा रजत

वुशु की 60 किलोग्राम सांडा श्रेणी में रोशिबिना देवी ने रजत पदक जीता। फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन की झांग शियाओयू ने 2-0 से हराया।

कबड्डी में महिला और पुरुष दोनों टीमों के पदक पक्के

भारत की महिला कबड्डी टीम ने जापान को 50-25 से हराकर ग्रुप-ए में अपने तीनों मुकाबले जीत लिए और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके साथ ही उसका पदक पक्का हो गया।पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह कबड्डी में भारत की महिला और पुरुष दोनों टीमों के पदक पक्के हो गए हैं।

हॉकी में भारत की लगातार दमदार जीत

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने ग्रुप-ए के मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-2 से हराया। भारत ने शुरुआती दो मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1 और श्रीलंका को 16-1 से हराया था।

आशा इलांगो ने महिलाओं की त्रिकूद स्पर्धा में 13.83 मीटर की छलांग लगाकर चौथा स्थान हासिल किया। उनका प्रदर्शन कांस्य पदक जीतने वाली चीन की ली यी के बराबर था, लेकिन दूसरी सर्वश्रेष्ठ छलांग के आधार पर ली यी उनसे आगे रहीं। निहारिका वशिष्ठ 10वें स्थान पर रहीं।

100 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। अनिमेष ने 10.36 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में तीसरा, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.38 सेकेंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

मुक्केबाजी में साक्षी चौधरी को 51 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले में कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा ने 3-2 से हराया। वहीं, सुमित कुंडू 70 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले में चोट के कारण इराक के अली कासिम हमदान अल-सरे से हार गए।

तलवारबाजी में भवानी देवी और श्रेया गुप्ता भी अंतिम-16 के दौर में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गईं।

रोशिबिना देवी

एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	78	29	20	127
2	जापान	20	33	37	90
3	साउथ कोरिया	10	12	28	50
4	कजाखस्तान	8	8	9	25
5	उज्बेकिस्तान	6	12	8	26
6	ईरान	6	10	3	19
7	थाईलैंड	5	4	7	16
8	हांगकांग	4	10	9	23
9	उत्तर कोरिया	3	3	3	9
10	मलेशिया	3	1	5	9
11	बहरीन	3	2	0	5
12	कुवैत	2	1	2	5
13	कतर	2	1	1	4
13	ताजिकिस्तान	2	1	1	4
15	भारत	1	7	9	17

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्रुप-ए के आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। टोकाई सिटीजन जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। असलम इनामदार और राहुल सेठपाल ने प्रभावी खेल दिखाते हुए चीनी ताइपे के रेडरों पर दबाव बनाया। सेठपाल के शानदार एंकल होल्ड की मदद से भारत ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहला आलआउट हासिल किया। चीनी ताइपे ने बोनस अंक और सुपर टैकल के जरिए वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने रेड और डिफेंस दोनों में लगातार अंक जुटाए। भारत ने एक और आलआउट हासिल करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक 23-11 की मजबूत बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में देवांक दलाल और अयान लोहचब ने रेडिंग में भारत की बढ़त बनाए रखी। चीनी ताइपे के चुंग-माओ चांग ने कुछ अहम टैकल किए, लेकिन भारतीय रेडरों के लगातार आक्रामक प्रदर्शन ने अंतर कम नहीं होने दिया। भारत ने एक और आलआउट हासिल कर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। अंतिम मिनटों में भारतीय डिफेंस ने चीनी ताइपे के रेडरों को अंक जुटाने का ज्यादा मौका नहीं दिया और भारत ने 37-21 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के खाते में तीन बोनस अंक और छह आलआउट अंक रहे, जबकि चीनी ताइपे ने नौ बोनस अंक और दो सुपर टैकल के जरिए अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप-ए में अपने अभियान का समापन शीर्ष स्थान पर किया। अब भारतीय टीम 25 सितंबर को सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

एशियाई खेलः मानुष शाह ने जीत के साथ शुरू किया एकल अभियान

आइची-नगोया (जापान)। एशियाई खेल 2026 में भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन जारी है। मानुष शाह ने पुरुष एकल स्पर्धा में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि श्रीजा अकुला-सिंड्रेला दास और दीया चितले-यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ियों ने महिला युगल में अपने-अपने मुकाबले जीते। मानुष शाह ने पुरुष एकल के शुरुआती मुकाबले में मलेशिया के वोंग क्यू शेन को सीधे चार गेम में 4-0 से हराया। मानुष ने मुकाबला 11-9, 14-12, 11-7, 11-4 से अपने नाम किया। महिला युगल में स्रीजा अकुला और सिंड्रेला दास की जोड़ी ने मंगोलिया की बोलोर-एरदेने बातमुंख और बुरेनजार्गल सांजा को 3-0 से हराकर विजयी शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने 11-5, 11-4, 12-10 से मुकाबला जीता। इससे पहले दीया चितले और यशस्विनी घोरपड़े ने महिला युगल के दूसरे दौर में ईरान की सेटायश इलूखानी और मशिद अश्तारी को 3-0 से हराया था। भारतीय जोड़ी ने 11-2, 11-2, 11-4 से एकतरफा जीत दर्ज की। एथलेटिक्स में जय कुमार, किरण पहल, मनु टीएस और पूवम्मा एमआर की भारतीय चौकड़ी ने मिश्रित 4M400 मीटर रिले के फाइनल में जगह बना ली। भारतीय टीम अपनी हीट में 3 मिनट 16.23 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही। चीन 3:15.97 के समय के साथ पहले और संयुक्त अरब अमीरात 3:17.00 के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

मजबूत टेस्ट टीम ही मजबूत क्रिकेट टीम, रेड बाल क्रिकेट हमारी प्राथमिकता : गौतम गंभीर

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि देश में मजबूत टेस्ट क्रिकेट होना पूरे क्रिकेट ढांचे के लिए बेहद जरूरी है और रेड-बाल क्रिकेट टीम की प्राथमिकता बना रहेगा। गंभीर ने भारत के नए घरेलू सत्र से पहले जियोस्टार से बातचीत में टीम के साथ अपने अब तक के कार्यकाल, टेस्ट क्रिकेट से मिली सीख और अलग-अलग कप्तानों के साथ काम करने के अनुभव पर बात की।

गंभीर ने अपने कार्यकाल के बारे में कहा कि पिछले दो साल उतार-चढ़ाव से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा, दो साल पलक झपकते नहीं गुजर गए। मेरे हिस्से में भी उतार-चढ़ाव रहे हैं। मेरी अपनी असफलताएं और सफलताएं रही हैं। लेकिन मेरा हमेशा मानना रहा है कि जब आप इस तरह की जिम्मेदारी लेते हैं तो उतार-चढ़ाव आते ही हैं। चाहे टेस्ट क्रिकेट हो, एकदिवसीय क्रिकेट हो या टी20 क्रिकेट, मुझे सफलता मिली है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा, लेकिन असफलताएं भी मिली हैं और मैं उन्हें भी पूरी तरह स्वीकार करता हूं।

टेस्ट क्रिकेट में बदलाव पर बोले गंभीर

टेस्ट क्रिकेट में बदलाव और हालिया परिणामों पर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे के बाद टीम ने अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेला है, लेकिन टीम अभी भी बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह भरना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, हमने इंग्लैंड के बाद से काफी अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेला है। मैं यह नहीं कह रहा कि हम अभी पूरी तरह तैयार हैं, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में काफी बदलाव हुआ है। खासकर रोहित, विराट और अश्विन के जाने के बाद ऐसे खिलाड़ियों को बदलना बेहद मुश्किल है। इन खिलाड़ियों के पास जितनी प्रतिभा और अनुभव था और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए रेड-बाल क्रिकेट में जो किया है, उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं होगा। इसमें समय लगेगा।

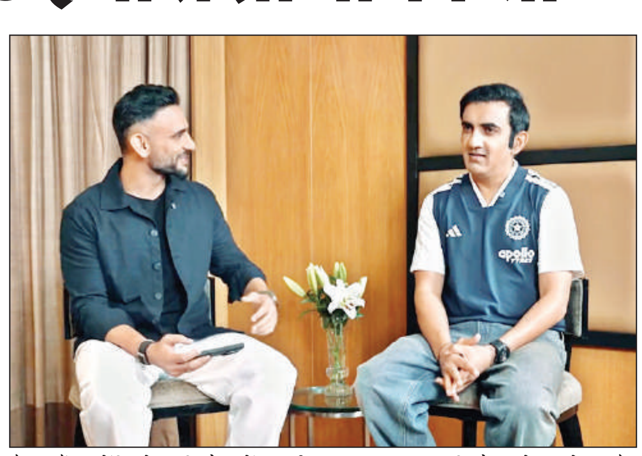

गंभीर ने कहा कि अगर सही खिलाड़ियों को लगातार समर्थन दिया जाता रहा तो भारतीय क्रिकेट लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट में दबदबा बना सकता है।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि अगर हम सही खिलाड़ियों का समर्थन करते रहे तो भारतीय क्रिकेट लंबे समय तक रेड-बाल क्रिकेट में दबदबा बना सकता है। जब आप नए खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में लाते हैं तो उनकी उम्र और उनके मैचों की संख्या देखते हैं और उन्हें यह समझाने की कोशिश करते हैं कि टेस्ट क्रिकेट कितना महत्वपूर्ण है। मैं इस बात का बहुत बड़ा समर्थक हूं कि एक मजबूत टेस्ट क्रिकेट वाला देश ही एक मजबूत क्रिकेट देश होता है। इसलिए रेड-बाल क्रिकेट अभी भी हमारी प्राथमिकता है।

चार कप्तानों के साथ काम करने का अनुभव

गंभीर ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर के साथ अलग-अलग प्रारूपों में काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि सभी कप्तानों ने हमेशा टीम को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखा।

उन्होंने कहा, मैंने चार कप्तानों के साथ काम किया है- रोहित, सूर्य, अब शुभमन और श्रेयस। जिन भी कप्तानों के साथ मैंने काम किया, उनकी पहली सोच हमेशा टीम रही। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे चार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्होंने हमेशा खुद से पहले टीम को रखा।

उन्होंने कहा कि कप्तान की सोच और खेल को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन अगर उसकी नीयत सही है तो सहयोगी स्टाफ के लिए काम आसान हो जाता है।

शुभमन गिल की कप्तानी की तारीफ

गंभीर ने टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, शुभमन युवा है। अगर आपको इंग्लैंड के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में कप्तानी मिलती है और आपको सीधे गहरे पानी में उतार दिया जाता है तो या तो आप बहुत अच्छी तरह तैरकर बाहर निकलेंगे या फिर डूब जाएंगे। लेकिन शुभमन ने जिस तरह टेस्ट क्रिकेट को संभाला है, वह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में हम शुभमन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखेंगे।

रोहित शर्मा के साथ रिश्ते पर भी बोले

रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते पर गंभीर ने कहा कि उनका संबंध केवल कप्तान और कोच तक सीमित नहीं रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को बेहतर समझते हैं।

गंभीर ने कहा, रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आया था, तब मैं सीनियर खिलाड़ी था। इसलिए हमारा रिश्ता उस समय से है। रोहित मुझे तब से जानता है और मैं भी उसे जानता हूं। जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें काफी आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच को जानता है और मैं उसकी सोच को जानता हूं।

उन्होंने कहा, कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है और कप्तान की सोच कुछ और, लेकिन अंत में अगर फैसला टीम के हित में होता है तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यही मेरा चारों कप्तानों के साथ अनुभव रहा है कि सभी का ध्यान भारतीय क्रिकेट पर रहा है।

एशियाई खेल क्रिकेट: अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराकर जीत से खोला खाता

निसिन

अफगानिस्तान ने एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट के अपने पहले मुकाबले में मेजबान जापान को 48 रन से हराकर शानदार शुरुआत की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए ग्रुप-ए के मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 129/6 रन बनाए, जिसके जवाब में जापान की टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।

अफगानिस्तान की जीत में पदार्पण कर रहे लेग स्पिनर अरब गुल मोमंद ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 8 रन देकर चार विकेट झटके। उनके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर नांगेयालिया खारोटी ने तीन विकेट लिए, जबकि अब्दुल्ला अहमदजई और नजीबुल्लाह जादरान ने भी विकेट हासिल किए।

टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हसन ईसाखिल 10 गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हुए। पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज मोहम्मद अकरम ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर पारी को संभाला। एक समय अफगानिस्तान का स्कोर 15.1 ओवर में 79/4 था।

इसके बाद कप्तान दरवेश रसूली और विकेटकीपर मोहम्मद इशाक ने तेजी से रन जुटाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 25 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की। रसूली ने 27 गेंदों में 29 और इशाक ने 17 गेंदों में 25 रन बनाए, जिससे अफगानिस्तान 20 ओवर में 129/6 तक पहुंच गया। जापान के लिए इब्राहिम ताकाहाशी और शोमा सुगाया-स्लेटर ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जापान को शुरुआती झटका पहले ही ओवर में लगा, जब अब्दुल्ला अहमदजई ने लाचलान यामामोटो-लेक को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। हालांकि रियो सकुरानो-थामस ने 23, केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग ने 14 और बेंजामिन इटो-डेविस ने 17 रन बनाकर जापान को मुकाबले में बनाए रखा। जापान का स्कोर एक समय 7.3 ओवर में 53/1 था और उसे 75 गेंदों में 77 रन की जरूरत थी। इसके बाद अफगानिस्तानी स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। नांगेयालिया खारोटी और नजीबुल्लाह जादरान ने विकेट निकाले, जबकि अरब गुल मोमंद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटक लिए। 60/3 के स्कोर के बाद जापान ने बिना कोई रन जोड़े तीन विकेट गंवा दिए और देखते ही देखते उसका स्कोर 63/8 हो गया। अरब गुल ने दो मेडन ओवरों में दो-दो विकेट लेकर जापान की पारी की कमर तोड़ दी। अंत में अब्दुल्ला अहमदजई और खारोटी ने आखिरी दो विकेट लेकर जापान की पारी 81 रन पर समेट दी।

मुरादाबाद के देव और यथार्थ सूद राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता के लिए चयनित

मुरादाबाद। मुरादाबाद मार्डन पब्लिक स्कूल के दो होनहार खिलाड़ियों, देव और यथार्थ सूद ने अपनी खेल प्रतिभा के दम पर उत्तर प्रदेश की आर्म रेसलिंग टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ी आगामी 48वीं राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता – 2026 में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2 से 5 अक्टूबर 2026 तक शेर-ए-कश्मीर इनडोर स्टेडियम, श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी देव जूनियर बालक वर्ग (अंडर 50 किलो भार वर्ग, राइट हैंड) हैं। यथार्थ सूद जूनियर बालक वर्ग (अंडर 80 किलो भार वर्ग, राइट हैंड) विगत वर्ष भी जीता था पदकरू यह दोनों खिलाड़ी लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इन्होंने पिछले वर्ष भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते थे और मार्डन पब्लिक स्कूल का नाम पूरे देश में रोशन किया था। इस बार भी उनसे इसी तरह के उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है। यह गौरवशाली टीम स्कूल के कुशल खेल प्रशिक्षक शाहवेज़ अली के नेतृत्व में इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रवाना होगी। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चुनौती पेश करने के लिए दोनों खिलाड़ी 30 सितंबर 2026 को मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस शानदार उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्रशासक सऊद आलम, प्रधानाचार्य मोहम्मद अहसन और कार्डिनेटर सुशील कुमार ने संयुक्त रूप से चयनित खिलाड़ियों और उनके कोच को बधाई दी।

विवेक सागर प्रसाद ने पूरे किए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच, हाकी इंडिया ने दी बधाई

काकामिगाहारा

भारतीय पुरुष हाकी टीम के स्टार मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने यह उपलब्धि जापान में जारी एशियाई खेल 2026 में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत के तीसरे पूल-ए मुकाबले के दौरान हासिल की। हाकी इंडिया ने इस खास उपलब्धि पर विवेक को बधाई दी। 26 वर्षीय विवेक ने 2018 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय हाकी में पदार्पण किया था। अपनी संयमित खेल शैली, बहुमुखी प्रतिभा और अहम मौकों पर योगदान देने की क्षमता के कारण वह भारतीय टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं।

विवेक भारतीय टीम के साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अभियानों का हिस्सा रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और 2018 ब्रेडा चैंपियंस ट्राफी में रजत पदक भी जीता है।

विवेक 2023 और 2024 में एशियन चैंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और दोनों संस्करणों में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2025 एशिया कप में भी भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई।

भारतीय हाकी में उनके योगदान के लिए उन्हें 2021 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

200 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करने के अवसर पर भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने विवेक को स्मृति जर्सी भेंट कर सम्मानित किया।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने विवेक को बधाई देते हुए कहा, 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना एक शानदार उपलब्धि है और यह विवेक की निरंतरता, प्रतिबद्धता और भारतीय हाकी के प्रति जुनून का प्रमाण है। मैं उन्हें इस विशेष उपलब्धि पर बधाई देता हूं और भारतीय जर्सी में उनके कई और यादगार पलों की कामना करता हूं।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, विवेक का 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना हाकी इंडिया और भारतीय हाकी के लिए गर्व का क्षण है। उनका सफर उस मेहनत, अनुशासन और समर्पण को दर्शाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए जरूरी है। विवेक भारत के कई यादगार अभियानों का अहम हिस्सा रहे हैं और यह उपलब्धि उनके योगदान की उचित पहचान है। हम उन्हें बधाई देते हैं और भविष्य के लिए निरंतर सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा की भव्य तैयारियों के साथ भूमि पूजन 27 को

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति हैदराबाद के तत्वावधान में पितृपक्ष मास के पावन अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक साई बाबा मंदिर प्रांगण, एनएम गुड़ा चौरस्ता, अत्तापुर, हैदराबाद में किया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

कथा के आयोजन की अंतिम तैयारियों को लेकर रविवार 27 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे साई बाबा मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सभी धर्मावलंबी बंधुओं, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, संगठनों तथा महिला मंडलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर कथा आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसी दौरान कार्यक्रम के लिए बनाए गए संयोजकों से तैयारियों की जानकारी लेकर उनके कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा शेष कार्यों की रूपरेखा तैयार कर उन्हें पूरा किया जाएगा। रविवार को ही कथा स्थल पर भूमि पूजन भी किया जाएगा।

श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि कथा में मुख्य यजमान श्री अंजनी कुमार अग्रवाल (डीआरएस), पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना को मनोनीत किया गया है।

दैनिक यजमानों में श्री मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना; प्रसिद्ध उद्योगपति श्री राम निरंजन अग्रवाल, श्री मुकेश कुमार लोया, श्री वेणुगोपाल तोतला, प्रसिद्ध समाजसेवी श्री कमल किशोर कांकाणी, महेश कोऑपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक श्री बृज गोपाल असावा, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री राजेंद्र बेहवाल तथा श्री अशोक कुमार हीरावत जैन शामिल हैं। सभी ने अपनी स्वीकृति समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी को दी है। अन्य धार्मिक आस्था रखने वाले गणमान्य बंधुओं से भी संपर्क किया गया है और उन्होंने दैनिक यजमान के रूप में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया है।

कथा के सात दिवसीय कार्यक्रम के तहत प्रथम दिवस महात्म्य, अमर कथा, राधा प्राकट्य कथा एवं उत्सव; द्वितीय दिवस 24 अवतार कथा, भागवत रचना कथा, देवर्षि नारद का पूर्ण चरित्र, महाभारत कथा एवं परीक्षित जी का जन्म; तृतीय दिवस आकूति चरित्र, सती चरित्र, शिव विवाह एवं ध्रुव चरित्र; चतुर्थ दिवस प्रह्लाद चरित्र, राम अवतार, वामन अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव; पंचम दिवस संपूर्ण बाल लीला एवं गोवर्धन पूजा; षष्ठम दिवस रासलीला, महारास लीला, कंस वध एवं श्रीकृष्ण-रुक्मिणी मंगल विवाह तथा सप्तम दिवस सुदामा चरित्र के साथ श्रीमद्भागवत कथा का विराम होगा।समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि पितृपक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। उन्होंने धार्मिक आस्था रखने वाले सभी बंधुओं से परिवार के पितरों के निमित्त कथा श्रवण करने, धार्मिक अनुष्ठान में तन-मन-धन से सहयोग करने तथा यथासंभव दान करने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि कथा श्रवण करने वाले भक्तों के लिए प्रतिदिन शाम की आरती के बाद प्रसाद स्वरूप भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने समाजबंधुओं से अपने परिवार के पितरों के निमित्त भोजन व्यवस्था में सहयोग कर पुण्य के सहभागी बनने तथा परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित कथा में पहुंचकर श्रवण करने का आग्रह किया।

मंचेरियल में ट्रांसफार्मर व चोरी की वारदातों का खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार

मंचेरियल, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामगुंडम पुलिस आयुक्तालय के मंचेरियल जोन के बेलमपल्ली डिवीजन में ताला लगे मकानों, दुकानों और कृषि भूमि में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बेलमपल्ली एसीपी किरण कुमार ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 50 हजार रुपये नकद, दो दोपहिया वाहन, 10 किलोग्राम तांबे का तार और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए।

रामगुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा और मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर के निर्देश पर बेलमपल्ली एसीपी किरण कुमार तथा तांडूर सीआई देवय्या की निगरानी में विशेष जांच दल गठित किया गया था। पुलिस ने तांडूर, भीमिनी, बेलमपल्ली, नेन्नेल, ताल्लागुरिजला, तिर्यानी और रेब्बेना थाना क्षेत्रों में दर्ज चोरी के मामलों की जांच करते हुए आधुनिक तकनीक की सहायता से आरोपियों की पहचान की और गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने आरोपियों से हीरो एचएफ डीलक्स (टीएस 19 जे 3474), हीरो स्प्लेंडर (एपी 25 क्यू 0753), पांच मोबाइल फोन, 10 किलोग्राम तांबे का तार और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए। आरोपियों को पकड़ने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तांडूर सीआई, भीमिनी एसआई, तांडूर एसआई एवं अन्य पुलिसकर्मियों की उच्च अधिकारियों ने सराहना की। तकनीकी सहायता से आरोपियों को पकड़ने में विशेष योगदान देने वाले हेड कांस्टेबल टी. राजेश्वर, एम. रामू, वी. तिरुपति रेड्डी तथा कांस्टेबल एम. विजय कुमार और बी. तिरुपति को एसीपी किरण कुमार ने सम्मानित कर नकद पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपराध नियंत्रण के लिए तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग करने और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पूंपुहार मेगा हस्तशिल्प प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, सितंबर 2026 (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पूंपुहार के बैनर तले सिकंदराबाद स्थित सरोजिनी देवी रोड पर 'आवर सेक्रेड प्लेस' (हिमालय वर्ल्ड के बगल में) में 26 सितंबर से 4 अक्टूबर तक मेगा हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

कॉर्पोरेशन के असिस्टेंट मैनेजर (सेल्स) सी. गोपीकन्नन ने बताया कि प्रदर्शनी में तमिलनाडु के विभिन्न जिलों के कुशल कारीगरों द्वारा तैयार पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों की विस्तृत शृंखला प्रदर्शित की जाएगी। इसका उद्देश्य लोगों को तमिलनाडु की समृद्ध और विविध पारंपरिक हस्तशिल्प विरासत से परिचित कराना है। प्रदर्शनी में कांसे की मूर्तियां, पारंपरिक पीतल के दीपक, तंजावुर पेंटिंग, तंजावुर कला प्लेटें, कागज की लुगदी से बनी गुड़िया, लकड़ी व पत्थर की मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां, मिट्टी व टेराकोटा उत्पाद, बेंत का फर्नीचर, केले के रेशे से बने उत्पाद, जूट व ताड़ के पत्तों की वस्तुएं, फैशन आभूषण, अगरबत्ती, मसाले, हस्तनिर्मित वस्त्र और हथकरघा उत्पाद उपलब्ध रहेंगे।

कंट्री क्लब ने नवरात्रि बैश 2026 का पोस्टर किया लॉन्च

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कंट्री क्लब हॉस्पिटैलिटी एंड हॉलिडेज लिमिटेड ने नवरात्रि बैश 2026 की घोषणा करते हुए 2030 तक 10 लाख सदस्यों का समुदाय बनाने का लक्ष्य रखा है। चेयरमैन राजीव रेड्डी ने पूर्व मिस इंडिया सिमरन आहूजा, हिंदी बिग बॉस फेम हेमा शर्मा, बिग बॉस तेलुगु फेम इनाया सुल्ताना और मिस यूनिवर्स तेलंगाना हसिता नारायणभट्ट के साथ कार्यक्रम का पोस्टर लॉन्च किया।

राजीव रेड्डी ने बताया कि 10 दिवसीय नवरात्रि बैश में गरबा, डांडिया, संगीत और मनोरंजन का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम 11 से 20 अक्टूबर तक बेगमपेट स्थित पुलिस हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी 500 सहयोगी क्लब, 1,000 फिटनेस केंद्र और 1,000 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों से जुड़ा नेटवर्क विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही, कंट्री क्लब उद्यमी कार्यक्रम को भी फिर से शुरू किया जा रहा है।

धान की फसल संरक्षण पर किसानों को दी सलाह

मदनूर, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सुल्तानपेट गांव में धान की फसल को लेकर किसान क्षेत्र विद्यालय का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक कृषि निदेशक श्रीमती कमला ने किसानों को धान की फसल में कीट नियंत्रण एवं फसल संरक्षण विधियों की जानकारी दी। इस दौरान किसानों को लिंगकर्ष टोकरियां भी वितरित की गईं। कृषि अधिकारियों ने बताया कि प्रति एकड़ चार सेक्स अट्रैक्टेंट बास्केट लगाने तथा तनों एवं शाखाओं को हटाने से पंख वाले कीड़ों के प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम में मंडल कृषि अधिकारी राजू, ग्राम सरपंच राजेश्वर गौड़, सहायक कृषि अधिकारी राजहिता सहित किसान उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ज्ञानेश...

मध्यप्रदेश, असम, दिल्ली और पंजाब समेत कई राज्यों में कांग्रेस प्रदर्शन करेगी। पंजाब में कांग्रेस नेता सचिन पायलट के नेतृत्व में यह प्रदर्शन होगा। वहीं दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ता, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन के नेतृत्व में चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करेंगे।

दिल्ली में भारतीय युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

भारतीय युवा कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चुनाव आयोग के कार्यालय का घेराव करने वाली है। दोपहर एक बजे से भारतीय युवा कांग्रेस यह प्रदर्शन करेगी। इससे पहले भी दिल्ली में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

वामपंथी दल भी करेंगे प्रदर्शन

वामपंथी दलों ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। विपक्षी दलों की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

सीजेपी ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

कॉकरोच जनता पार्टी ने भी गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए चेतावनी दी। पार्टी ने कहा कि यदि ज्ञानेश कुमार 48 घंटे के अंदर पद नहीं छोड़ते हैं तो जंतर-मंतर 2.0 सहित देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। यह मांग और चेतावनी पार्टी की ओर से दी गई है। विपक्षी दलों की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ आगे की कार्रवाई को लेकर भी प्रयास जारी हैं। कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों से संपर्क कर संसद के दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार करने की बात कही है।

खैरताबाद....

मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जी.एम. मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दम प्रसाद कुमार के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें उन्होंने नागेंद्र की अयोग्यता की याचिकाओं को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा कि खैरताबाद विधानसभा सीट परिणामस्वरूप रिक्त हो गई है, जिससे नए चुनाव का रास्ता साफ हो गया है।

हाई कोर्ट ने नागेंद्र की अयोग्यता 23 अप्रैल 2024 से प्रभावी मानी है, जिस दिन उन्होंने बीआरएस विधायक रहते हुए सिकंदराबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। खंडपीठ ने नागेंद्र के वकील के इस अनुरोध को भी अस्वीकार कर दिया कि अपील करने के लिए अयोग्यता आदेश को स्थगित रखा जाए।

पूर्व खैरताबाद विधायक ने तेलंगाना हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में दल-बदल के आरोप में तेलंगाना विधानसभा से अयोग्य ठहराया गया था। दानम नागेंद्र की सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद उन्हें विधानसभा सदस्य के रूप में अयोग्य ठहरा दिया गया।

कांग्रेस की प्रतिक्रिया?

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, उपचुनाव घोषित होने के बाद पार्टी फैसला लेगी। फिलहाल सूत्रों ने कहा कि दानम नागेंद्र को पूरा पार्टी समर्थन दिया जा रहा है।एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा, पार्टी उन्हें पूरा समर्थन देने वाली है। उपचुनाव की घोषणा होने पर हम फैसला लेंगे।

मोदी...

बारे में जानकारी देने को कहा।

बैठक में यह भी कहा गया कि मीडिया से बातचीत करने से पहले या कोई भी जानकारी साझा करने से पहले मंत्री हाल के मुद्दों और समस्याओं की पूरी जानकारी एकत्रित करें।बुधवार को करीब साढ़े चार घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर मंथन हुआ। चर्चा का मुख्य फोकस 'विकसित भारत2047' के विजन और इसे हासिल करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक रणनीति पर रहा।

रेस हो...

शी जिनपिंग ने अपनी शुरुआती टिप्पणी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भी प्रमुखता दी। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देश हैं और इसलिए दोनों की जिम्मेदारी है कि इसका विकास सही दिशा में हो।

शी ने कहा कि दोनों देशों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अच्छे कामों के लिए विकसित और संचालित करने की क्षमता और जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास हमेशा इंसानों के नियंत्रण में रहना चाहिए और इसका इस्तेमाल लोगों की भलाई के लिए होना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। दोनों देश उन्नत चिप, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक में बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी घटनाओं को लेकर आपसी सूचना साझा करने की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई है।

ट्रंप बोले- सुपर इंटेलिजेंस पर होगी बात

ट्रंप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुपर इंटेलिजेंस बताते हुए कहा कि यह उनकी और शी की बातचीत का एक बड़ा मुद्दा होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और तकनीक से जुड़े फैसले आने वाले दशकों में शांति और समृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर बातचीत ऐसे समय में हो रही है, जब इसकी तेजी से बढ़ती क्षमता को लेकर सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े जोखिमों को लेकर सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हो रही है।

व्यापार तनाव के बीच ट्रंप-शी की मुलाकात

ट्रंप और शी की बैठक से पहले अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि दोनों देश व्यापार युद्ध को रोकने वाली मौजूदा व्यवस्था को आगे बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं। यह व्यवस्था पिछले साल दक्षिण कोरिया में ट्रंप और शी की मुलाकात के बाद बनी थी। दोनों देशों ने बुधवार को मौजूदा व्यापार संघर्ष विराम को दो महीने बढ़ाने पर सहमति जताई थी।

पिछले साल अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के दौरान अमेरिकी शुल्क की अधिकतम दर 145 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। चीन ने भी जवाब में अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत तक शुल्क लगाया था। बाद में दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद औसत अमेरिकी शुल्क दर करीब 47 प्रतिशत और चीन की दर करीब 30 प्रतिशत के मध्य तक आ गई थी।दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ताइवान और अन्य रणनीतिक मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद बने हुए हैं। इसके बावजूद दोनों पक्षों की ओर से संवाद जारी रखने और संबंधों को स्थिर रखने पर जोर दिया गया है।

सबहु भूमि...

ग्रामीणों के मुताबिक, दो-तीन साल पहले पटवारी राजेश मंडलोई सर्वे के नाम पर रिकॉर्ड दुरुस्त करने आए थे। आरोप है कि उन्होंने चुपचाप सार्वजनिक और निजी संपत्तियों पर अपना नाम दर्ज करा दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने आरोप लगाया कि शुभम तोमर के घर के पीछे स्थित सार्वजनिक बावड़ी, जिससे पूरा गांव पानी पीता है, उसे पटवारी ने अपने नाम कर लिया।

हद तो तब हो गई, जब गांव के बस स्टैंड पर बना आरसीसी का सार्वजनिक चबूतरा और ग्रामीण बलिराम का मकान, यानी खसरा नंबर 530, भी पटवारी के रिकॉर्ड में दर्ज पाया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह ने जब इस मामले की शिकायत कलेक्टर से की तो उन्होंने भी इसे गंभीरता से लिया।

जांच की मांग, कई और मामले सामने आने का दावा

उत्तमपाल सिंह ने कहा कि शासन ने स्वामित्व योजना के तहत पटवारियों को जमीन की रजिस्ट्री करने के अधिकार दिए हैं। कोलगांव पंचायत में पूर्व पटवारी ने 51 पट्टे अपने और अपने परिवार के नाम करा लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह योजना शुरू होने के पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक गांव का मामला नहीं है, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश में भी ऐसे कई मामले हो सकते हैं। उन्होंने तत्काल जांच समिति गठित कर मामले की जांच कराने की मांग की, ताकि अन्य मामले भी सामने आ सकें। उन्होंने कहा कि इससे वाजिब लोग अपने हक से वंचित हो रहे हैं और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

मौके पर जांच में गड़बड़ी की पुष्टि

मामला उजागर होते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान पटवारी राकेश पटेल को मौके पर भेजकर स्थलीय जांच कराई गई। ग्रामीणों की मौजूदगी में जब खसरों का मिलान किया गया तो रिकॉर्ड में गड़बड़ी की पुष्टि हुई।

जांच रिपोर्ट सामने आते ही खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी पटवारी राजेश मंडलोई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके साथ ही कोलगांव के सभी 935 खसरों और पट्टों की दोबारा जांच कर रिकॉर्ड को तत्काल दुरुस्त करने के आदेश दिए गए हैं।

'मक्का'...

हालांकि आधिकारिक रूप से उनका पद 'महासचिव' है, लेकिन समझौते की सैन्य प्रकृति के कारण यह पद तीनों देशों के बीच रक्षा समन्वय के लिहाज से महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने 7 अगस्त को मक्का में संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत किसी एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

अगस्त में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने समझौता किया था कि इन तीनों में से किसी एक देश पर किया गया हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा और तीनों मिलकर उसका जवाब देंगे। इसके बाद पाकिस्तान ने लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) नौमान महमूद को मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का पहला महासचिव नियुक्त किया है।

इस समझौते के तहत गठबंधन का स्थायी महासचिवालय रियाद में स्थापित किया जा रहा है। इसकी शुरुआती अवधि में पाकिस्तान की ओर से नियुक्त अधिकारी यह जिम्मेदारी संभालेंगे। अगस्त के अंत में इस्तांबुल में हुई पहली बैठक में गठबंधन की संस्थागत संरचना तैयार करने और रियाद में सचिवालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया था।

1971 की जंग से जुड़ी है नौमान महमूद की पारिवारिक कहानी

इस नियुक्ति की कहानी केवल 2026 के नए रक्षा समझौते तक सीमित नहीं है। नौमान महमूद का परिवार भारत-पाकिस्तान युद्ध की एक पुरानी कहानी से भी जुड़ा है। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल राजा सुल्तान महमूद 1971 के युद्ध में पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना से लड़ते हुए मारे गए थे।

पाकिस्तान के आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री के अनुसार, राजा सुल्तान महमूद 32 बलूच रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे। दिसंबर 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के पीरगंज इलाके में भारतीय सेना और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच भीषण लड़ाई हुई थी। सैन्य इतिहास के अनुसार, 7 दिसंबर 1971 को उन्होंने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

भारतीय सैन्य अधिकारी इत्तबार सिंह, जो उस समय 2/5 गोरखा राइफल्स से जुड़े थे और इस लड़ाई में मौजूद थे, ने वर्षों बाद 2012 में नौमान महमूद को पत्र लिखा था। आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री में प्रकाशित विवरण के अनुसार, उन्होंने पत्र में बताया था कि राजा सुल्तान महमूद अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए भारतीय मोर्चे के बेहद करीब पहुंच गए थे और वहीं मारे गए।

भारतीय सैन्य अधिकारी ने लिखा था 2012 में पत्र

इस कहानी का एक अहम हिस्सा भारतीय सेना से भी जुड़ा है। आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मिलिट्री हिस्ट्री में प्रकाशित विवरण के मुताबिक, इत्तबार सिंह ने 2012 में नौमान महमूद को पत्र लिखकर उनके पिता की अंतिम लड़ाई का उल्लेख किया था। पत्र में उन्होंने राजा सुल्तान महमूद के साहस और अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व करते हुए मारे जाने का विवरण दिया था।

मूल सामग्री में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक विवरण का भी उल्लेख है, जिसमें 1971 के युद्ध के दौरान 2/5 गोरखा राइफल्स की स्थिति पर पाकिस्तानी सैनिकों के हमले और राजा सुल्तान महमूद की पहचान से जुड़ी घटनाओं का वर्णन किया गया है। इस प्रसंग का आधार पाकिस्तान के सैन्य इतिहास संबंधी प्रकाशन में भी मिलता है, जिसमें भारतीय समाचार पत्रों में प्रकाशित विवरणों का हवाला दिया गया है।

1987 में पाकिस्तान सेना में शामिल हुए नौमान

यानी जिस समय नौमान महमूद छोटे बच्चे थे, उसी समय उनके पिता 1971 के युद्ध में मारे जा चुके थे। बाद में नौमान महमूद ने स्वयं पाकिस्तान सेना में करियर बनाया और कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं।

नौमान महमूद ने 1987 में पाकिस्तान सेना में कमीशन लिया और बलूच रेजिमेंट से जुड़े रहे। अपने सैन्य करियर के दौरान उन्होंने कमान और प्रशिक्षण से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभाईं। वह उत्तर वजीरिस्तान में एक पैदल सेना डिवीजन की कमान भी संभाल चुके हैं।

वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के विश्लेषण निदेशालय के महानिदेशक भी रहे। इसके अलावा सेना मुख्यालय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के बाद उन्होंने पेशावर स्थित 11वीं कोर की कमान संभाली। बाद में वह राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, इस्लामाबाद के अध्यक्ष भी रहे।

नौमान महमूद अप्रैल 2023 में सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके सैन्य करियर में संचालन, खुफिया, प्रशिक्षण और रणनीतिक मामलों से जुड़ी जिम्मेदारियां शामिल रही हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद नौमान महमूद को अब मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के सचिवालय का पहला महासचिव बनाया गया है। रियाद में स्थापित होने वाले इस सचिवालय की जिम्मेदारी तीनों सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग और समन्वय को संस्थागत रूप देना होगी।

इस समझौते की अहमियत ऐसे समय में बढ़ गई है, जब यमन के हूती विद्रोहियों के हमलों के बीच सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर क्षेत्रीय चिंता बढ़ी हुई है। तुर्किये ने भी कहा है कि समझौते के तहत वह सऊदी अरब की सैन्य जरूरतों में तकनीकी सहायता देने के लिए तैयार है।

मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के तहत एक सदस्य देश पर सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। ऐसे में सऊदी अरब पर हूती हमलों के बीच इस समझौते की व्यावहारिक भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक किसी सैन्य कार्रवाई के जरिए समझौते को सक्रिय नहीं किया है। हाल में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये सहित अन्य देशों ने सऊदी अरब के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने की मेगा जॉब मेला एवं रोजगार समिति की घोषणा

रोजगार चाहने वाले युवाओं, महिलाओं और नियोक्ताओं को जोड़ने के लिए डिजिटल पोर्टल,

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की कार्यकारिणी एवं जॉब समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक 22 सितंबर 2026 को संस्था के केंद्रीय कार्यालय 301, राघव रत्न टॉवर, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अग्रवाल समाज के चेयरमैन श्री नवल किशोर अग्रवाल ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के शिक्षित एवं हुनरमंद युवाओं, महिलाओं तथा अनुभवी पेशेवरों को सीधे रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए सुव्यवस्थित 'मेगा जॉब मेला एवं सतत रोजगार प्रकोष्ठ' की स्थापना करना रहा।

बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों कन्वीनर डॉ. अशोक केडिया, उपाध्यक्ष श्री राज किशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री मुकेश केडिया एवं उपाध्यक्ष श्री शीनू बंसल ने भाग लिया। पदाधिकारियों ने समाज कल्याण से जुड़े इस प्रयास पर गहन विचार-विमर्श किया और रोजगार के क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

डिजिटल कनेक्टिविटी एवं व्हाट्सऐप नेटवर्क

बैठक का शुभारंभ करते हुए उपाध्यक्ष श्री मुकेश केडिया ने प्रस्ताव रखा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से समर्पित 'जॉब सीकर एवं जॉब प्रोवाइडर' अर्थात रोजगार चाहने वालों एवं रोजगार देने वालों के लिए व्हाट्सऐप समूह और सामाजिक मीडिया मंच शुरू किए जाएं। प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

इन डिजिटल समूहों के माध्यम से प्रतिदिन रिक्त पदों की जानकारी साझा की जाएगी तथा आवेदकों के आंकड़ों का त्वरित आदान-प्रदान संभव होगा। इससे रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों और नियोक्ताओं के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने में

मदद मिलेगी।

चार प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा विशेष ध्यान

समिति के कन्वीनर डॉ. अशोक केडिया ने कहा कि रोजगार अभियान को सफल बनाने के लिए चार प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने समाज के उद्यमियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों और उद्योगपतियों से अपनी जनशक्ति आवश्यकताओं को साझा करने की अपील की।लेखा एवं वित्त क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों, कर सलाहकारों, लेखाकारों, लेखा-परीक्षण सहायकों और टैली संचालकों के लिए व्यापक स्तर पर पंजीयन एवं रोजगार अवसर जुटाए जाएंगे।

विनिर्माण एवं रियल एस्टेट क्षेत्र में साइट इंजीनियर, कार्यालय सहायक कर्मचारी, संचालन प्रबंधक और मानव संसाधन अधिकारियों की आवश्यकताओं को अभ्यर्थियों से जोड़ा जाएगा।

खुदरा एवं एफएमसीजी क्षेत्र में स्टोर प्रबंधक, बिक्री अधिकारी, बिलिंग कर्मचारी एवं कार्यालय कर्मचारियों के पदों पर भर्ती के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।सूचना प्रौद्योगिकी, तकनीक एवं फार्मा क्षेत्र में सॉफ्टवेयर विकासकर्ता, डाटा एंट्री संचालक, तकनीकी सहायता कर्मचारी, डिजिटल विपणन कर्मी एवं फार्मा प्रयोगशाला विशेषज्ञों को रोजगार से जोड़ने की योजना है।डॉ. केडिया ने कहा कि अग्रवाल समाज के व्यवसायियों और मानव संसाधन प्रमुखों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर अभ्यर्थियों के बायोडाटा सीधे कंपनियों के निर्णयकर्ताओं तक पहुंचाए जाएंगे।

आधिकारिक वेबसाइट पर शुरू होगा जॉब एवं प्लेसमेंट अनुभाग

उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल ने प्रस्ताव दिया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना की आधिकारिक वेबसाइट पर स्थायी 'जॉब एंड प्लेसमेंट सेक्शन' शुरू किया जाए। इसके अंतर्गत नियोक्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई रिक्तियों और रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों के बायोडाटा को पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा। इससे 24 घंटे ऑनलाइन रोजगार मिलान की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय कॉल सेंटर एवं पंजीयन व्यवस्था

उपाध्यक्ष श्री राज किशोर अग्रवाल के सुझाव पर राघव रत्न टॉवर स्थित समाज कार्यालय में एक केंद्रीय रोजगार कॉल सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

कॉल सेंटर प्रभारी : श्रीमती नीतू अग्रवाल

हेल्पलाइन नंबर : +91 8019647098

कॉल सेंटर पर आवेदकों का नाम, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, फ्रेशर या अनुभवी होने की जानकारी, कौशल, पसंदीदा रोजगार क्षेत्र तथा पीडीएफ प्रारूप में बायोडाटा दर्ज किया जाएगा। कॉल सेंटर के माध्यम से दूरभाष पर ही रोजगार चाहने वालों और रोजगार देने वालों का सीधा संपर्क कराने की व्यवस्था की जाएगी।

महिला उत्सव में लगेगा विशेष पंजीयन स्टॉल

बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान जॉब समिति के विशेष सहायता एवं पंजीयन स्टॉल लगाए जाएंगे।

महिला उत्सव : 7 अक्टूबर 2026

क्लासिक गार्डन, सिकंदराबाद में 7 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाले भव्य 'अग्रवाल महिला उत्सव' में जॉब समिति का विशेष स्टॉल लगाया जाएगा। इस पहल का नेतृत्व श्रीमती अलका मिंडा एवं उपाध्यक्ष श्री शीनू बंसल करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य गृहणियों, शिक्षित युवतियों एवं महिलाओं को उनकी योग्यता के अनुसार अंशकालिक एवं पूर्णकालिक रोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

नवरात्रि डांडिया महोत्सव में भी पंजीयन केंद्र

नौ दिवसीय नवरात्रि डांडिया महोत्सव के दौरान शहर के प्रमुख डांडिया एवं सांस्कृतिक आयोजनों के स्थलों पर जॉब समिति के जानकारी एवं पंजीयन काउंटर स्थापित किए जाएंगे। यहां युवा तत्काल क्यूआर कोड स्कैन करके अथवा प्रपत्र भरकर अपना पंजीयन करा सकेंगे।

बैठक के अंत में चेयरमैन श्री नवल किशोर अग्रवाल ने कहा, अग्रवाल समाज का सदैव यह ध्येय रहा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता और विकास के अवसर पहुंचे। यह जॉब मेला और प्लेसमेंट सेल केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे युवाओं के स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य की ओर एक दूरदर्शी कदम है। हम तेलंगाना के सभी उद्योगपतियों, सीए फर्मों, व्यापारियों और कॉरपोरेट घरानों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी संस्थाओं में रिक्त पदों की जानकारी हमारे कॉल सेंटर को दें और इस सामाजिक महायज्ञ में सहभागी बनें।

प्रेस एवं मीडिया संपर्क जानकारी

मीडिया प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी एवं निःशुल्क पंजीयन के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। रोजगार हेल्पलाइन : +91 8019647098 (श्रीमती नीतू अग्रवाल)

सामान्य पूछताछ : +91 9281866901

झूलनी एकादशी, वामन जयंती एवं श्याम बाबा की बारस पर भजन-कीर्तन का आयोजन

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा आरती गुप्ता के घर, दुर्गा कॉम्प्लेक्स, फीलखाना में झूलनी एकादशी, वामन जयंती एवं श्याम बाबा की बारस के अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में माथुर वैश्य इंटरनेशनल क्लब की माइक्रो कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्ष दिव्या गुप्ता, सचिव रश्मि गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी बीना गुप्ता, प्राची गुप्ता, अंजली गुप्ता, दमयंती जी, पूजा गुप्ता, रैनू जी, स्मिता गोलश सहित विशिष्ट गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी और कार्यक्रम को आनंदमय बना दिया।

भाजपा महिला मोर्चा गोलकोंडा जिला उपाध्यक्ष बनी मीनाक्षी सिखवाल

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा, गोलकोंडा जिला की अध्यक्ष डॉ. बी. सुरेखा ने श्रीमती मीनाक्षी सिखवाल को पार्टी की महिला मोर्चा गोलकोंडा जिला इकाई की उपाध्यक्ष नियुक्त किया है।अवसर पर डॉ. बी. सुरेखा ने कहा कि श्रीमती मीनाक्षी पार्टी के सिद्धांतों और आदर्शों को बनाए रखेंगी तथा अपनी जिम्मेदारियों को समर्पण, ईमानदारी, प्रतिबद्धता और अनुशासन के साथ निभाएंगी।

हम संगठन को मजबूत करने और जनता की सेवा करने में आपके सक्रिय योगदान की आशा करते हैं। हम इस भूमिका में आपकी सफलता की कामना करते हैं।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 173वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 27 को

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा पोचमपल्ली हैंडलूम वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के सहयोग से यादाद्री भुवनगिरी जिले के भूदान पोचमपल्ली में 173वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 27 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह शिविर कोंडा लक्ष्मण बापूजी की जयंती की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल, हाईटेक सिटी द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्र जांच की जाएगी। आवश्यकता होने पर निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की भी व्यवस्था की जाएगी।

शिविर में बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा फिजियो-थेरेपी की सेवा प्रदान की जाएगी। वहीं, एसएनआर डेंटल की डॉ. एस. तेजेश्वरी नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा दांतों की जांच की जाएगी।

श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दिव्यांगों की जांच की जाएगी तथा उन्हें निशुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग, जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स और हैंड किट्स प्रदान किए जाएंगे।

जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था रहेगी। रोगियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट अवश्य लेकर आएं, ताकि उनकी सुविधा के अनुसार उचित परामर्श दिया जा सके।

शिविर का लाभ लेने के लिए नाम का पंजीयन स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच कराया जा सकता है। स्वास्थ्य जांच एवं अन्य सेवाओं का शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अध्यक्ष भरत लव कुमार, सुरेपल्ली श्रीनिवास एवं रुद्र आंजनेयुलु से संपर्क किया जा सकता है।

सेवा में स्वार्थ नहीं, निस्वार्थ भाव जरूरी : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265-ए के पास गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा में स्वार्थ नहीं, बल्कि निस्वार्थ भाव होना चाहिए। जब सेवा किसी अपेक्षा, प्रसिद्धि या व्यक्तिगत लाभ के बिना की जाती है, तभी उसका वास्तविक महत्व सामने आता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का निरंतर प्रयास है कि समाज में सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत किया जाए। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सेवा का उद्देश्य किसी का अहसान करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा में सभी सदस्यों का सहयोग और समर्पण महत्वपूर्ण है। सामूहिक सहयोग से चल रही यह सेवा समाज में मानवता, करुणा और आपसी सहयोग का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य में दिखावे के बजाय भावनाओं की पवित्रता और निरंतरता अधिक महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की प्रथम बैठक आयोजित

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की प्रथम बैठक प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार सिंघल के कार्यालय में आयोजित की गई। प्रदेश महामंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार सिंघल ने की। उन्होंने सर्वप्रथम उपस्थित सभी अग्रबंधुओं का स्वागत किया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अजय अग्रवाल, श्री विपिन अग्रवाल एवं श्री राजकुमार रिटोलिया को मनोनीत किया गया। सहमंत्री पद पर श्री रमाकांत गोयल तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री सुनील कनोडिया को मनोनीत किया गया।परामर्शदाता के रूप में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, श्री मुन्ना लाल अग्रवाल एवं श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल को मनोनीत किया गया। युवा अध्यक्ष पद पर श्री राहुल अग्रवाल को मनोनीत किया गया। महिला अध्यक्ष पद पर श्रीमती निर्मला संघी तथा महिला मंत्री पद पर श्रीमती कविता संघी को मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार सिंघल एवं प्रदेश महामंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल का महाराजा अग्रसेन जी का पट्टा पहनाकर सम्मेलन के चेयरमैन श्री योगेश जैन द्वारा सम्मान किया गया।बैठक में सदस्यता अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में अधिक से अधिक अग्रबंधुओं को संगठन से जोड़ने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने संगठन के विस्तार और समाज के अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती के अवसर पर 11 अक्टूबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत सुबह 10 बजे बंजारा हिल्स स्थित महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा।

इसके बाद खेमदास मठ, महासर माता मंदिर में महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके पश्चात स्थानीय निवासियों के लिए अन्नप्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार अग्रवाल सिंघल, प्रदेश महामंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, चेयरमैन श्री योगेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय सह प्रवक्ता श्री अशोक कुमार बंसल, राष्ट्रीय महिला मंत्री श्रीमती रिंकू गर्ग, सलाहकार श्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, पूर्व महामंत्री श्री विनय कुमार जैन आदि उपस्थित थे।

एल.बी. स्टेडियम में गतका के चयन ट्रायल आयोजित

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना (सैट-जी) द्वारा तेलंगाना गतका एसोसिएशन के सहयोग से खेलो इंडिया यूथ गेम्स के 8वें संस्करण के लिए गतका के चयन ट्रायल 21 सितंबर 2026 को एल.बी. स्टेडियम, हैदराबाद में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। चयन ट्रायल डॉ. रवि कुमार, प्रशासक, एल.बी. स्टेडियम के पर्यवेक्षण में आयोजित हुए। इस अवसर पर श्री श्रीनिवास गौड़, महासचिव, हैदराबाद स्कूल गेम्स फेडरेशन, सरदार गुरमीत सिंह पहाड़िया, उपाध्यक्ष, तेलंगाना गतका एसोसिएशन तथा सरदार प्रीतम सिंह, अध्यक्ष, सिख एजुकेशन सोसाइटी की गरिमामयी उपस्थिति रही।ट्रायल के सफल संचालन में तेलंगाना एवं हैदराबाद गतका एसोसिएशन के

पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, रेफरी एवं तकनीकी टीम ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। उपस्थित प्रमुख पदाधिकारियों एवं तकनीकी टीम में सरदार विशाल सिंह, महासचिव, तेलंगाना गतका एसोसिएशन, सरदार नानक सिंह, तकनीकी निदेशक, तेलंगाना गतका एसोसिएशन, सरदार गुरवेंद्र सिंह (विक्की), राज्य प्रशिक्षक, तेलंगाना, सरदार संदीप सिंह, अध्यक्ष, हैदराबाद गतका एसोसिएशन, सरदार हरजोत सिंह साहिब, हैदराबाद कोच, सरदार सतवन सिंह, रेफरी, सरदार जगदीप सिंह, सरदार सतप्रीत कौर, सरदार जसलीन कौर, जोसेफ, सरदार गुरनाम सिंह, सरदार मनिंदर सिंह, सरदार गुरतारा सिंह, सरदार जगजीत सिंह तथा सरदार रामिंदर सिंह शामिल रहे।

चयन ट्रायल का आयोजन अनुशासित एवं पेशेवर तरीके से किया गया।

प्रशिक्षकों, रेफरी, अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने पूरे आयोजन को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई। तेलंगाना गतका एसोसिएशन ने सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों, रेफरी, स्कूलों, खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग एवं योगदान से चयन ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुए।

बंजारा हिल्स स्थित निलोफर होटल में कृष्णा सखी की महिलाओं ने उत्साह एवं उमंग के साथ गरबा किया। इस अवसर पर रेनू, पूजा, सुनीता, भाजपा नेता सपना गुप्ता, मधु, पिंकी, उर्मिला, उमा, अल्का, नमिता, अनिकेता, प्रमिला एवं अनीता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए तेलंगाना में महत्वपूर्ण फैसले

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष की 5वीं राज्य प्रबंधन समिति बैठक

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में आज लोक भवन, हैदराबाद में सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष, तेलंगाना की राज्य प्रबंधन समिति की 5वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, विधवाओं, दिव्यांग पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रित बच्चों के कल्याण से संबंधित कई महत्व-पूर्ण प्रस्तावों पर विचार कर उन्हें स्वीकृति दी गई।

मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव ने रखे महत्वपूर्ण प्रस्ताव

मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-दक्षिण भारत एवं तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय सैनिक संस्था, ने बैठक में पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेंडा बिंदु प्रस्तुत किए।मेजर जनरल एन. श्रीनिवास राव वर्ष 2017 से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष, तेलंगाना की राज्य प्रबंधन समिति के निरंतर सदस्य हैं। उन्होंने पूर्व सैनिकों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आर्थिक सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य, दिव्यांग सहायता, आवास, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न प्रस्ताव समिति के समक्ष रखे।

पूर्व सैनिकों के पात्र बच्चों का शैक्षणिक अनुदान 10,000 से बढ़ाकर 17,000 वार्षिक किया गया।

गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं की मासिक आर्थिक सहायता 3,900 से बढ़ाकर 6,000 की गई।

100 प्रतिशत दिव्यांग पूर्व सैनिकों का अनुदान 15,000 से बढ़ाकर 18,000 प्रतिमाह किया गया।

दिव्यांग बच्चों के लिए सहायता 6,000 से बढ़ाकर 8,000 तथा 9,000 से बढ़ाकर 10,000 प्रतिमाह की गई, जो आयु के अनुसार निर्धारित होगी।

पात्र मेधावी बच्चों की छात्रवृत्ति 5,000 से बढ़ाकर 25,000 की गई।

अंतिम संस्कार सहायता 10,000 से बढ़ाकर 20,000 की गई।

कल्याण कनुका 50,000 से बढ़ाकर 75,000 प्रति बच्चे की गई।

जरूरतमंद पूर्व सैनिकों के लिए नई पहल

बैठक में दिव्यांग पूर्व सैनिकों के लिए व्हीलचेयर, मोटर चालित तिपहिया वाहन एवं अन्य सहायक उपकरणों की खरीद के लिए पात्र व्यय के 50 प्रतिशत तक सहायता देने का प्रस्ताव भी शामिल रहा।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पात्र शैक्षणिक फीस की 50 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति तथा गंभीर बीमारी से पीड़ित 65 वर्ष से अधिक आयु के पात्र गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं के लिए 1 लाख तक की एकमुश्त चिकित्सा सहायता का प्रस्ताव रखा गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के पात्र गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं के लिए 6,000 प्रतिमाह की सहायता तथा पात्र लाभार्थियों के लिए इंदिरम्मा इंदलु योजना के अंतर्गत अधिकतम 3 लाख तक आवास सहायता का भी प्रावधान किया गया।

पूर्व सैनिकों के कौशल विकास एवं रोजगार के लिए 1 करोड़

पूर्व सैनिकों को दूसरी पारी में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्व सैनिक कौशल विकास एवं रोजगार सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए 1 करोड़ की महत्वपूर्ण पहल पर भी विचार किया गया।

यह केंद्र पूर्व सैनिकों को कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने में सहायता करेगा। पूर्व सैनिकों के नेतृत्व, प्रशासन, अनुशासन, सुरक्षा, रसद, प्रशिक्षण एवं तकनीकी अनुभव का उपयोग उनके दूसरे करियर में किया जा सकेगा।

बैठक में विभिन्न स्थानों पर आधारभूत सुविधाओं के लिए भी सहायता स्वीकृत की गई, जिनमें:

-सैनिक भवन, नलगोंडा में लिफ्ट के लिए 11.50 लाख।

-क्षेत्रीय सैनिक कल्याण कार्यालय, आदिलाबाद में अतिरिक्त कमरे के लिए 6 लाख।

-करीमनगर सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख।

-आशा - दिव्यांग एवं सक्षम बच्चों के लिए सेना विद्यालय के लिए 3 लाख।

-मातृछाया को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के उपचार संबंधी उपकरणों के लिए 9.30 लाख।

-पूर्व सैनिक कौशल विकास एवं रोजगार सुविधा केंद्र के लिए 1 करोड़।

पूर्व सैनिकों के सम्मान और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता

बैठक में लिए गए निर्णयों से तेलंगाना के पूर्व सैनिक समुदाय के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता, दिव्यांग सहायता, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में सहायता को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

राज्य में पूर्व सैनिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को सैनिक कल्याण निदेशालय की भावना उनकी सेवा के लिए मिशन पर, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा की। के रूप में व्यक्त किया गया।

यह बैठक उन वीर पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का संदेश है, जिन्होंने अपने जीवन के महत्व-पूर्ण वर्ष राष्ट्र की सेवा में समर्पित किए और अब अपने गृह राज्य तेलंगाना में सम्मान एवं गरिमा के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा किट वितरित

हैदराबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा पखवाड़े के तहत 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह जी के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा किट प्रदान की गईं।

यह कार्यक्रम 23 सितंबर 2026 को सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट स्थित ओल्ड जेल के पास संचालित 'होम फॉर अंडरप्रिविलेज्ड चिल्ड्रन' (वंचित बच्चों का गृह) में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि यह पहल केवल एक वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि ''शिक्षा की ओर एक कदम '' मानवता के प्रति एक प्रतिबद्धता'' है। शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और अल्पसंख्यक मोर्चा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े बच्चों तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है।

इस अवसर पर स्थानीय कार्यकर्ता, संस्था के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। शिक्षा किट प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

अडाणी फाउंडेशन और अंबुजा सीमेंट्स ने देवापुर में ग्रामीण शिक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया

देवापुर (तेलंगाना), 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंबुजा सीमेंट्स (वैश्विक स्तर पर नौवें सबसे बड़े बिल्डिंग मैटेरियल्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर और अदानी पोर्टफोलियो का हिस्सा) तथा अडाणी फाउंडेशन ने आदिवासी गांव देवापुर स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल एमपीपीएस गतराओपल्ली का उन्नयन कर ग्रामीण शिक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। इससे 28 छात्रों के लिए सुरक्षित और बेहतर सीखने का माहौल बना है।

स्कूल में लंबे समय से जलभराव, असुरक्षित खुला परिसर और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे की समस्याएं थीं, जिससे कक्षाएं, स्वच्छता और मध्याह्न भोजन प्रभावित हो रहे थे। इससे छात्रों की उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ रहा था।

इन समस्याओं के समाधान के लिए अंबुजा सीमेंट्स और अदानी फाउंडेशन ने स्कूल में कंपाउंड वॉल बनाई, पूरे परिसर में कंक्रीट फर्श बिछाया और एक समर्पित किचन शेड का निर्माण किया। इससे जलभराव समाप्त हुआ, आवारा पशुओं से सुरक्षा मिली और मध्याह्न भोजन की स्वच्छ तैयारी संभव हुई।

उन्नत बुनियादी ढांचे से छात्रों की उपस्थिति बढ़ी है और शिक्षण-अधिगम का माहौल बेहतर हुआ है। शिक्षक अब मौसम संबंधी बाधाओं के बिना कक्षाएं चला पा रहे हैं, जबकि माता-पिता बच्चों को नियमित स्कूल भेजने में अधिक विश्वास महसूस कर रहे हैं।

यह पहल अंबुजा सीमेंट्स और अदानी फाउंडेशन की अपने परिचालन क्षेत्रों के आसपास सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सुरक्षित और समावेशी शिक्षा स्थानों के माध्यम से यह दीर्घकालिक सामुदायिक विकास में योगदान दे रही है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति निजामाबाद की बैठक संपन्न

निजामाबाद, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 24 सितंबर 2026 को भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, निजामाबाद में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री बिजया कुमार साहु ने की। बैठक में विभिन्न सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों सहित श्री सुहास सिद्धांत पाटिल, सहायक भविष्य निधि आयुक्त, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य-सचिव श्री के. रवीन्द्र कुमार तथा सुश्री गिरिजा कुंबार उपस्थित थीं।

बैठक में सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति खम्मम की अर्धवार्षिक बैठक आयोजित

हिंदी के बेहतर कार्यान्वयन पर हुई चर्चा

हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

खम्मम, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, खम्मम के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम की अर्धवार्षिक बैठक 24 सितंबर 2026 को श्री एम. राम मूर्ती, सहायक महाप्रबंधक की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, उपक्रमों एवं केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्य के बेहतर कार्यान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बैठक के दौरान पुरस्कृत किया गया।

बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम के सदस्य-सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजभाषा अधिकारी सुश्री मनीषा महतो ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार से सम्मानित हुईं राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

महिला सशक्तीकरण एवं सामाजिक योगदान के लिए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने किया सम्मान

लाडनूं, 24 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 51वें वार्षिक अधिवेशन 'संवाद' के अंतर्गत आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार समारोह का आयोजन जैन विश्व भारती परिसर, लाडनूं में परम पूज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में हुआ। समारोह में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को महिला सशक्तीकरण, नारी जागरण एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

समारोह में देशभर से आईं करीब 1500 प्रतिनिधि बहनों, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारी एवं ट्रस्टीगण सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। महिला मंडल द्वारा आचार्य तुलसी के बहुआयामी कर्तृत्व, सामाजिक सरोकारों एवं नारी जागरण की दृष्टि को केंद्र में रखते हुए यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा ने स्वागत वक्तव्य में आचार्य तुलसी के नारी जागरण एवं महिला सशक्तीकरण के प्रयासों को स्मरण करते हुए कहा कि उनके कर्तृत्व से प्रेरणा लेकर महिला मंडल समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। युवाचार्यप्रवर श्री महावीर कुमार जी ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को सार्वजनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए व्यक्तिगत जीवन में भी आध्यात्मिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभा जी ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती एवं प्रभावशाली भागीदारी को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाएं आज सामाजिक विकास की महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रही हैं और अपने कर्तृत्व एवं नेतृत्व से समाज को नई दिशा देने में योगदान कर रही हैं।परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी ने आचार्य तुलसी के बहुआयामी कृतित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान की महत्ता को रेखांकित करते हुए उनकी दूरदर्शी सोच, सामाजिक सरोकारों एवं प्रेरणादायी कार्यों का उल्लेख किया तथा उनके आदर्शों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।सम्मान के पश्चात उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि महिलाएं केवल विकास की सहभागी नहीं, बल्कि विकास की दिशा और गति की सूत्रधार बन रही हैं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को महत्व-पूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। महिलाएं अपनी परंपराओं एवं संस्कारों को साथ लेकर शिक्षा, व्यवसाय, सामाजिक सेवा, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं।दिया कुमारी ने आचार्य तुलसी के नाम से प्राप्त सम्मान को गौरव का विषय बताते हुए परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी एवं साध्वीप्रमुखाश्री श्री विश्रुतविभाजी के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किया। उन्होंने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संस्कार, सेवा एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सबके सहयोग से निरंतर चल रही अन्नसेवा : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि यह सेवा कार्य सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के सामूहिक सहयोग से निरंतर आगे बढ़ रहा है। सेवा के इस कार्य में किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समूह के सहयोग, समर्पण और सेवाभाव का योगदान है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

नियमित अन्नदान के माध्यम से ग्रुप द्वारा यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से यह कार्यक्रम चल रहा है और सभी का साथ ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है और इसी भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा सेवा कार्य निरंतर जारी है।

इस अवसर पर अनिल धरसुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, लता गोया एवं मीना अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने पर श्रीमती शारदा नरेला का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह एवं आदित्य सिंह ने शॉल ओढ़ाकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.